www.shabdawanisamachar.page
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

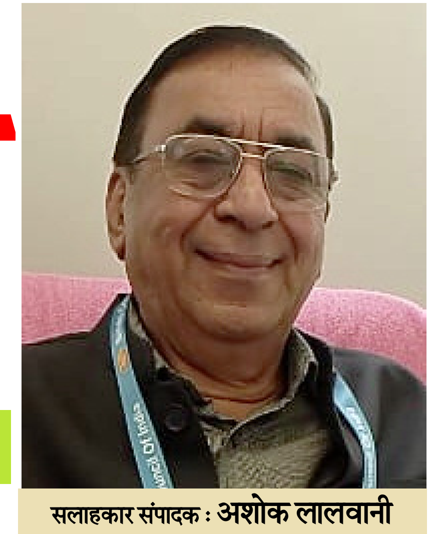

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

वर्षः 24 अंकः 268 नई दिल्ली, गुरुवार, 23 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

Dedicated to Sindhi Council of India

पेपर लीक पर न हो राजनीति, संसद में चर्चा करने के लिए सरकार तैयार : भाजपा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। पेपर लीक के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्ष पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह विषय देश के करोड़ों छात्रों के भविष्य से जुड़ा है, इसलिए इसे राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम बनाने के बजाय संसद में गंभीरता से चर्चा का विषय बनाया जाना चाहिए। पार्टी ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है और चाहती है कि सदन में इसकी हर बारीकी पर विचार हो, ताकि छात्रों के साथ किसी प्रकार का अन्याय न हो। भाजपा मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार छात्रों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। पार्टी के अनुसार, देश के बच्चे ही भारत का भविष्य हैं और उनकी मेहनत तथा सपनों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसी कारण सरकार इस विषय पर गंभीर है और हर पहलू पर चर्चा के लिए तैयार है।

उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए कि उन्होंने अपने आरोपों में केवल कुछ राज्यों का जिक्र क्यों किया, जबकि कांग्रेस और इंडी गठबंधन शासित राज्यों में भी कई बार पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं के मामले सामने आए हैं। पार्टी ने सवाल उठाया कि यदि छात्रों के हित की बात की जा रही है, तो फिर सभी राज्यों की घटनाओं पर समान रूप से चर्चा क्यों नहीं हो रही है।

नड्डा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का रवैया चयनात्मक है और उनका उद्देश्य छात्रों को न्याय दिलाना नहीं, बल्कि इस मुद्दे पर राजनीतिक लाभ लेना है। पार्टी ने कहा कि यदि विपक्ष वास्तव में छात्रों के भविष्य को लेकर चिंतित है, तो उसे सभी राज्यों में हुई घटनाओं पर समान दृष्टि रखनी चाहिए। भाजपा ने उदाहरण देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में सर्विस सेलेक्शन बोर्ड की परीक्षा का पेपर लीक हुआ, जहां कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार है। हिमाचल प्रदेश में स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षा का पेपर लीक होने का मामला सामने आया, जहां कांग्रेस की सरकार है। झारखंड में झारखंड एकेडमिक काउंसिल की हिंदी और विज्ञान परीक्षाओं के पेपर लीक हुए, जहां कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार है।

इसी तरह तेलंगाना में इंटरमीडिएट भाषा परीक्षा तथा एसएससी भाषा परीक्षा में पेपर लीक के मामले सामने आए। भाजपा ने कहा कि वहां कांग्रेस की सरकार है, जिसे सीपीआई का समर्थन प्राप्त है। तमिलनाडु में बी.एड. पाठ्यक्रम की परीक्षा का पेपर लीक हुआ। पश्चिम बंगाल में पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में पेपर लीक का मामला सामने आया, जहां तृणमूल कांग्रेस की सरकार थी। पंजाब में पंजाब सबऑर्डिनेट सर्विसेज सेलेक्शन बोर्ड की ग्रुप-डी भर्ती परीक्षा में भी पेपर लीक की घटना हुई, जबकि केरल में लोक सेवा आयोग (पीएससी) की 26 परीक्षाओं में अनियमितताओं के आरोप लगे। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नाटक में, जहां कांग्रेस की सरकार है, वहां भी परीक्षा का पेपर लीक होने का मामला सामने आया।

नड्डा ने कहा कि ये केवल कुछ उदाहरण हैं और देश के विभिन्न राज्यों में ऐसी घटनाओं की सूची काफी लंबी है। इसलिए किसी एक सरकार या एक राजनीतिक दल को निशाना बनाने के बजाय पूरे देश में परीक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने पर चर्चा होनी चाहिए।

भाजपा ने कहा कि छात्रों की मांगों का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। यह एक गंभीर राष्ट्रीय समस्या है, जिस पर संसद में गहन और सार्थक चर्चा की आवश्यकता है। पार्टी ने कहा कि वह इस विषय पर सभी तथ्यों के साथ चर्चा करने और समाधान निकालने के लिए तैयार है।

सोनम वांगचुक ने अनशन खत्म करने के लिए रखीं मांग

प्रदर्शनकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन मांगा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से बुधवार को जारी एक वीडियो संदेश में कहा है कि अगर सरकार यह भरोसा दिला देती है कि छात्रों पर अब किसी भी तरह का बल प्रयोग नहीं किया जाएगा और न ही उन पर एफआईआर दर्ज की जाएगी या पुलिस के माध्यम से उन्हें परेशान किया जाएगा, तो वे आज ही अपना अनशन समाप्त कर देंगे। वीडियो संदेश में सोनम वांगचुक ने कहा कि मैं अभी जिंदा हूं; यह मेरे अनशन का 25वां दिन है। 25वें दिन तक मेरा लगभग 11 किलो वजन कम हो चुका है और काफी मांसपेशियां भी कम होने लगी हैं, मगर मैं ठीक हूं। कल रात मुझे सफदरजंग अस्पताल से गुरुग्राम के एक मेदांता अस्पताल में लाया गया है।

■ वीडियो संदेश में कहा, मैं अभी जिंदा हूं

वांगचुक ने दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों की भी तारीफ की। वांगचुक ने कहा कि मैं उन सभी छात्रों की सराहना करना चाहता हूं, जिन्होंने बेहद शांतिपूर्ण तरीके से व्यवहार किया। उन्होंने खुद पर लाठियां खाईं, लेकिन वापस कोई हमला नहीं किया।

सीजेपी ने भी अनशन समाप्त करने की अपील की

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने नीट प्रश्नपत्र लीक और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आमरण अनशन कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को बुधवार पत्र लिखकर अपना अनशन समाप्त करने की भावुक अपील की है। एक खुले पत्र में कहा गया है, 'पूरे सम्मान और आभार के साथ, हम आपसे विनम्र अनुरोध करते हैं कि कृपया अपना अनशन समाप्त करें।

सार संक्षेप

कल्याण बनर्जी पूरे मानसून सत्र के लिए सस्पेंड

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कल्याण बनर्जी को एक महिला सदस्य के खिलाफ असंसदीय भाषा का इस्तेमाल करने पर बुधवार को मानसून सत्र की शेष अवधि के लिए लोकसभा से निलंबित कर दिया गया। दरअसल, टीएमसी से टूटकर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) ने कल्याण बनर्जी के खिलाफ लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से शिकायत दी थी और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

आईपीएल सट्टेबाजी मामले में आलोक कुमार जैन गिरफ्तार

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय ने आलोक कुमार जैन को 20 जुलाई, 2026 को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी आईपीएल सत्र के दौरान अवैध सट्टेबाजी गतिविधियों से संबंधित चल रही धन शोधन जांच के सिलसिले में की गई है। ईडी की जांच में पता चला कि आलोक कुमार जैन एक संगठित अवैध गिरोह के प्रमुख संचालक के रूप में काम कर रहा था।

भारत-म्यांमार सीमा पर चल रहे ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़

गुवाहाटी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने भारत-म्यांमार सीमा पर अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। एनसीबी ने म्यांमार स्थित एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है।

संसद मार्ग पर फिर पथराव, एसीपी समेत तीन पुलिसकर्मी घायल, इलाके में सुरक्षा बढ़ाई गई

नई दिल्ली (दिव्य भारत ब्यूरो)। राजधानी दिल्ली के संसद मार्ग क्षेत्र में बुधवार रात एक बार फिर प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क उठी। एनडीएमसी चौराहा और टॉल्स्टॉय मार्ग पर करीब साढ़े आठ बजे अराजक तत्वों द्वारा की गई पत्थरबाजी में कनॉट प्लेस थाने के एसीपी भगत सिंह समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने तत्काल लाठीचार्ज कर स्थिति को नियंत्रित किया और इलाके में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए।

घायलों को क्राउन प्लाजा के पास से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। एसीपी भगत सिंह को उपचार के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य घायल पुलिसकर्मियों का भी इलाज चल रहा है।

पुलिस के अनुसार, हिंसा के दौरान कुछ प्रदर्शनकारी तलवारें और खुकरी (पारंपरिक मुड़े हुए चाकू) लहराते हुए भी दिखाई दिए। इसे देखते हुए सुरक्षा बलों ने अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की। दिल्ली पुलिस के सूत्रों का कहना है कि प्रदर्शन के आयोजकों और सीजेपी के नेताओं से भीड़ को शांत करने की अपील की गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने उनकी बात नहीं मानी। पुलिस का दावा है कि पिछले दो दिनों से इसी तरह की झड़पें हो रही हैं और शाम के समय बाहरी एवं असामाजिक तत्व भीड़ में शामिल होकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

फिलहाल टॉल्स्टॉय मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। इलाके में दिल्ली पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के जवान तैनात हैं तथा पुलिस हिंसा में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की प्रक्रिया में जुटी हुई है।

धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, छात्रों पर कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री माफी मांगें : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर देश की शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने, पेपर लीक मामलों पर जवाबदेही तय न करने और छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में 152 से अधिक प्रश्नपत्र लीक हुए हैं, जिससे 7.5 करोड़ छात्र और उनके परिवार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, छात्रों पर बल प्रयोग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरफ से छात्रों से माफी की मांग की।

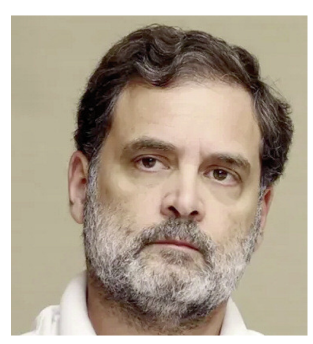

राहुल गांधी ने यहां कांग्रेस नए मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में 20 जुलाई को छात्रों के संसद चलो मार्च और जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन से जुड़े वीडियो और प्रस्तुति दिखाते हुए कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस और सुरक्षाबलों ने बर्बर कार्रवाई की। छात्रों को पीटा गया, घसीटा गया और उनकी जायज मांगों को सुनने के बजाय दमन का रास्ता अपनाया गया। राहुल गांधी ने कहा कि देश में शिक्षा व्यवस्था गंभीर संकट से गुजर रही है और सरकार छात्रों की समस्याओं के प्रति बिल्कुल संवेदनशील नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार होने वाले पेपर लीक, परीक्षाओं में अनियमितताओं और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी ने करोड़ों युवाओं का भविष्य दांव पर लगा दिया है। इसके बावजूद किसी भी बड़े मामले में दोषियों को सजा नहीं मिली। राहुल गांधी ने कहा कि पिछले दस वर्षों में 152 से अधिक प्रश्नपत्र लीक हुए हैं। इन घटनाओं का सीधा असर 7.5 करोड़ छात्रों और उनके परिवारों पर पड़ा है। उन्होंने कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में भी अब तक किसी को प्रभावी सजा नहीं मिली और सरकार लगातार जवाबदेही से बच रही है। उन्होंने कहा कि देश के परिवार अपने बच्चों की शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं पर भारी आर्थिक बोझ उठा रहे हैं। राहुल गांधी के अनुसार, भारत सरकार का वार्षिक शिक्षा बजट लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपये है, जबकि भारतीय परिवार केवल नीट परीक्षा की तैयारी और उससे जुड़े खर्चों पर लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं। इसके बावजूद सरकार परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने में विफल रही है। राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया गया है। शिक्षा और भर्ती व्यवस्था में भ्रष्टाचार तथा अनियमितताओं ने युवाओं का भरोसा तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि देश के छात्रों को न्याय दिलाने के लिए धर्मेंद्र प्रधान को पद छोड़ना चाहिए।

एस जयशंकर ने चीन के विदेश मंत्री से की मुलाकात

भारत-चीन के बीच संबंध धीरे-धीरे हो रहे सामान्य

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां) विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता को दोनों देशों के बीच सामान्य संबंधों की पहली शर्त करार देते हुए कहा है कि इस पर ध्यान दिए जाने तथा संबंधित तंत्रों को इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किए जाने की जरूरत है। श्री जयशंकर ने बुधवार को क्वाड और आसियान देशों की बैठकों से इतर चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। विदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच कजान और तियानजिन की मुलाकातों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके बाद से भारत और चीन के बीच संबंध धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं।

■ सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति व स्थिरता सामान्य संबंधों की पहली शर्त

फोटोः एएनआई

क्वाड ने आसियान के प्रति समर्थन दोहराया

क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों ने मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए आसियान की एकता एवं उसके साथ सहयोग के लिए निरंतर समर्थन का संकल्प व्यक्त किया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग, जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मनीला में हुई बैठक के बाद जारी संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वे व्यापक रणनीतिक साझेदारों के रूप में आसियान के साथ सहयोग को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अटकलों का बाजार फिर गर्म

मोदी से मिले शरद पवार

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद) के अध्यक्ष एवं राज्य सभा सदस्य शरद पवार ने बुधवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की । इस दौरान श्री पवार के साथ उनकी पुत्री एवं सांसद सुप्रिया सुले भी थीं।

■ पुत्री सुप्रिया सुले भी थीं साथ

संसद भवन स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में सुबह हुई इस मुलाकात में श्री पवार ने प्रधानमंत्री को एक पत्र सौंपा लेकिन इसका ब्यौरा नहीं मिल सका है। श्री पवार और सुश्री सुले की प्रधानमंत्री से मुलाकात ऐसे समय हुई जबकि संसद के मानसून सत्र में दोनों सदनों में गतिरोध बना हुआ है। इस मुलाकात के बाद राजनीतिक हलकों में यह कयास तेज हो गए है कि श्री पवार की पार्टी राजग के करीब आ रही है। उनकी पार्टी के कुछ नेता पिछले दिनों महाराष्ट्र में उप मुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे से मिल चुके हैं। उस समय भी ये अटकलें लगायी जाने लगी थीं कि राकांपा (शरद) राजग के साथ आ सकती है।

फार्मा शेयरों में बड़ी गिरावट

ट्रंप का जेनेरिक दवाओं पर 200 फीसदी तक टैरिफ का ऐलान

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। फार्मा शेयरों में बुधवार के कारोबारी सत्र में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इसकी वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ प्लान को माना जा रहा है, जिसके तहत अगस्त 2028 से सभी जेनेरिक दवाओं पर 100 प्रतिशत और अगस्त 2029 से 200 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। इससे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का फार्मा कंपनियों का मुख्य सूचकांक निफ्टी फार्मा 2 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। सुबह 10:30 बजे तक, ग्लैंड फार्मा (4.62 प्रतिशत), पीरामल फार्मा (3.92 प्रतिशत), ल्यूपिन (3.81 प्रतिशत), जेबी केमिकल्स (3.87 प्रतिशत), अजंता फार्मा (3.03 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

जवाब — राज्यसभा में पूछे गए सवाल का सरकार ने दिया जवाब

ई20 पेट्रोल से वाहनों में घट सकता है माइलेज

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि ई20 पेट्रोल (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) के इस्तेमाल से ई10 पेट्रोल के लिए डिजाइन किए गए कुछ पुराने वाहनों में ईंधन दक्षता (माइलेज) में मामूली कमी आ सकती है। हालांकि, एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के कारण बड़े पैमाने पर इंजन खराब होने या वाहनों में खराबी आने का कोई सत्यापित (वेरिफाइड) प्रमाण नहीं मिला है।

राज्यसभा में पूछे गए सवालों के लिखित जवाब में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि ई10 के लिए डिजाइन किए गए पुराने वाहनों में माइलेज में होने वाली कमी आमतौर पर करीब 3 से 5 प्रतिशत तक ही सीमित रहती है। उन्होंने कहा कि किसी वाहन का माइलेज केवल पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा पर निर्भर नहीं करता, बल्कि ड्राइविंग की आदत, वाहन का रखरखाव, टायर प्रेशर, व्हील अलाइनमेंट और एयर कंडीशनर (एसी) के उपयोग जैसे कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करता है। सुरेश गोपी ने कहा, 'ई10 के लिए डिज़ाइन किए गए कुछ पुराने वाहनों में ईंधन दक्षता में होने वाली कमी सामान्यत: मामूली (करीब 3-5 प्रतिशत) होती है।' उन्होंने आगे कहा, 'कुछ पुराने वाहनों में माइलेज में हल्की गिरावट आ सकती है, लेकिन ई20 पेट्रोल के कई फायदे भी हैं। इसमें अधिक ऑक्टेन रेटिंग, बेहतर एंटी-नॉक प्रदर्शन, बेहतर दहन क्षमता और अधिक स्मूथ एक्सीलरेशन मिलता है।'

■ वाहनों में खराबी आने का कोई प्रमाण नहीं मिला

गडकरी ने आलोचकों को दी थी चुनौती

इसी महीने 7 जुलाई को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ई20 पेट्रोल को लेकर उठ रहे सवालों पर आलोचकों को चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि यदि 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से किसी वाहन को नुकसान हुआ हो, तो उसका एक भी उदाहरण सामने लाकर दिखाया जाए। साथ ही उन्होंने माइलेज कम होने और अन्य दावों को 'पेड कैंपेन' का हिस्सा बताया था। 'विकसित भारत कॉन्क्लेव' में बोलते हुए नितिन गडकरी ने कहा था, 'ई20 पेट्रोल की वजह से किसी भी कार में खराबी आने का एक भी मामला सामने नहीं आया है।

संवाद और संस्थागत सुधार से सुलझें विद्यार्थियों के मुद्दे, हिंसक टकराव दुर्भाग्यपूर्ण : अभाविप

नई दिल्ली, 22 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने जंतर-मंतर पर नीट-यूजी सहित विभिन्न शिक्षा संबंधी मुद्दों को लेकर हुए प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई हिंसक झड़प को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा है कि विद्यार्थियों के न्यायोचित विषयों का समाधान केवल संवाद, पारदर्शिता और संस्थागत सुधारों के माध्यम से ही संभव है। परिषद ने प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार से उच्च स्तरीय समिति गठित करने की मांग भी की है। अभाविप ने जारी बयान में कहा कि विद्यार्थियों के आंदोलन की आड़ में कुछ राजनीतिक स्वार्थों और समाजविरोधी तत्वों ने अराजकता और हिंसा फैलाने का प्रयास किया, जिसकी परिषद घोर निंदा करती है। संगठन ने घटना में घायल विद्यार्थियों और सुरक्षाकर्मियों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की आवश्यकता पर बल दिया। परिषद ने कहा कि नीट-यूजी समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं के खिलाफ वह शुरूआत से ही विद्यार्थियों के साथ खड़ी रही है। अभाविप ने दावा किया कि परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उसने सबसे पहले केंद्रीय एजेंसी से जांच की मांग उठाई थी और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। वर्ष 2024 से संगठन लगातार इस मुद्दे पर विद्यार्थियों के हित में संघर्ष कर रहा है।

अभाविप ने केंद्र सरकार से मांग की कि प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता, पारदर्शिता और आवश्यक संस्थागत सुधारों की व्यापक समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की जाए, जो परीक्षा प्रणाली को अधिक विश्वसनीय, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए समयबद्ध सुझाव दे।

संगठन ने यह भी कहा कि विद्यार्थियों की वास्तविक समस्याओं और न्यायोचित मांगों का इस्तेमाल किसी संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ, देशविरोधी एजेंडे या अराजकता फैलाने के लिए नहीं होना चाहिए। परिषद के अनुसार ऐसे प्रयास भारत की आंतरिक स्थिरता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता को कमजोर करने वाली शक्तियों को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा देते हैं।

अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि नीट-यूजी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं ने लाखों विद्यार्थियों की चिंताएं बढ़ाई हैं और इन मुद्दों पर परिषद लगातार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि छात्रशक्ति का उपयोग किसी राजनीतिक एजेंडे या राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए संवाद, संवेदनशीलता और संस्थागत सुधार ही सबसे प्रभावी मार्ग हैं।

अभाविप ने विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों और समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे शिक्षा संबंधी मुद्दों को राजनीतिक उकसावे से दूर रखते हुए शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से समाधान की दिशा में सहयोग करें।

संक्षिप्त समाचार

सीजेपी का नड्डा के आवास पर जाने से इनकार, जंतर-मंतर के पास तटस्थ स्थान पर वार्ता का दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। सोशल मीडिया अभियान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा के आवास

पर जाकर बातचीत करने से इनकार किया है। सीजेपी ने स्पष्ट रूप से कहा कि बातचीत जंतर-मंतर पर अथवा इसके निकट किसी तटस्थ स्थान पर होनी चाहिए। सीजेपी प्रवक्ता सौरभ दास ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि आज सुबह पुलिस ने सीजेपी प्रतिनिधियों से संपर्क कर जानकारी दी कि केंद्रीय मंत्री नड्डा उनसे बातचीत करना चाहते हैं और इसके लिए अपने आवास पर आने का निमंत्रण दिया है, लेकिन सीजेपी ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। सौरभ दास ने कहा कि सीजेपी का कोई भी प्रतिनिधि किसी मंत्री के घर या कार्यालय नहीं जाएगा। जंतर-मंतर पर जनता दरबार लगा हुआ है और यदि सरकार बातचीत करना चाहती है तो मंत्रियों को जनता के बीच आना चाहिए। उन्होंने कहा कि वार्ता जंतर-मंतर पर ही होनी चाहिए। यदि सुरक्षा कारणों से मंत्री जंतर-मंतर आने में असमर्थ हैं, तो सीजेपी प्रदर्शन स्थल के पास किसी तटस्थ स्थान पर बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अभी हम केंद्रीय मंत्री की ओर से जवाब का इंतजार कर रहे हैं। दास ने कहा कि सरकार की मंशा केवल औपचारिक बातचीत की नहीं, बल्कि उनकी मांगों पर ठोस निर्णय लेने की होनी चाहिए। बिना किसी सार्थक उद्देश्य के चर्चा के लिए बुलाने का कोई औचित्य नहीं है। हजारों लोग अभी भी प्रदर्शन में शामिल हैं और सीजेपी का पूरा ध्यान आंदोलन के संचालन पर है। सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वह वास्तव में आंदोलनकारियों से सार्थक वार्ता करना चाहती है? उल्लेखनीय है कि संसद मार्च के दौरान 20 जुलाई को सीजेपी के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने जेपी नड्डा के आवास पर जाकर उनको ज्ञापन सौंपा था। नड्डा से मिलने वालों में सौरव दास और आशुतोष रांका शामिल थे। इस दौरान नड्डा ने सीजेपी से धरना समाप्त करने का आग्रह किया था।

दिल्ली सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम की 84 सेवाओं का समय घटाया, कुछ सेवाएं तुरंत मिलेंगी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने सिंगल विंडो सिस्टम की 84 सेवाओं का समय घटाया और कुछ सेवाएं अब तुरंत मिलेंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य लोगों और कारोबार से जुड़े लोगों को सरकारी सेवाएं पहले से ज्यादा तेज, आसान और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना है। इसी दिशा में दिल्ली सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने डिरेगुलेशन एक्सरसाइज-फेज क्क के तहत प्राथमिकता क्षेत्र-21 पर एक विस्तृत अध्ययन किया है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना था कि सिंगल विंडो सिस्टम के जरिए मिलने वाली सेवाओं में आवेदन से लेकर काम पूरा होने तक कितना समय लगता है और उस समय को कैसे कम किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि इस अध्ययन में 18 विभागों को शामिल किया गया और सिंगल विंडो सिस्टम पर उपलब्ध 95 प्रमुख सेवाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। सिंगल विंडो सिस्टम एक ऐसा डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जहां नागरिक और व्यवसाय विभिन्न लाइसेंस, परमिट, अनुमोदन और क्लीयरेंस के लिए एक ही जगह ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और उन्हें प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अध्ययन के बाद काम करने की प्रक्रियाओं में कई जरूरी सुधार किए गए। इसका परिणाम यह हुआ कि सिंगल विंडो सिस्टम पर उपलब्ध 84 सेवाओं में आवेदन के निपटारे का समय कम कर दिया गया है। इतना ही नहीं, कुछ सेवाएं अब तुरंत उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य दिल्ली में कारोबार करना और आसान बनाना, सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना तथा नागरिकों और व्यवसायों के लिए सरकारी प्रक्रियाओं को सरल करना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का सूचना प्रौद्योगिकी विभाग डिजिटल तकनीक और बेहतर कार्यप्रणाली के जरिए लोगों तक तेज, आसान और नागरिक-केंद्रित सरकारी सेवाएं पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रहा है।

संसद मार्च के दौरान कथित पुलिस ज्यादती के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। उच्चतम न्यायालय ने 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान कथित पुलिस ज्यादती के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा कि समय बर्बाद मत कीजिए, आपका समय हमसे ज्यादा कीमती है। याचिकाकर्ता ने कहा कि हमने महत्वपूर्ण मांग के लिए याचिका दायर की है। नीट परीक्षा का आयोजन सरकार निष्पक्ष तरीके से कराए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने ज्यादती की है k

तब कोर्ट ने दूसरे मामले को सुनवाई के लिए पुकार लगाई। तब याचिकाकर्ता ने कहा कि वे छात्रों पर हुई ज्यादती का वीडियो दिखा सकते हैं। तब कोर्ट ने कहा कि मेरे पास वीडियो देखने का टाइम नहीं है। कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से पेपर लीक के आरोपों के बाद केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर 20 जून से प्रदर्शन चल रहा है। इसे लेकर सोनम वांगचुक ने 28 जून से आमरण अनशन शुरू किया था।

कांग्रेस का प्रधानमंत्री आवास पर किया गया प्रदर्शन लोकतंत्र का अपमानः हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि कांग्रेस का कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकारी आवास पर किया गया प्रदर्शन अत्यंत निंदनीय, दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतांत्रिक मयार्दाओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस के इस कृत्य की कड़ी निंदा करती है और मांग करती है कि कांग्रेस देश और प्रधानमंत्री मोदी से सार्वजनिक माफी मांगे। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि पिछले तीन दिन से जो आराजकता देखी जा रही है वह छात्र आंदोलन नही है, असल में कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, कम्युनिस्ट, समाजवादी पार्टी के बीच युवा आंदोलन भड़काने की चल रही चेष्टा का कुपरिणाम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का पद 140 करोड़ देशवासियों का सम्मान है। उस पद और उस आवास को घेरकर कांग्रेस ने सिर्फ प्रधानमंत्री का नहीं, बल्कि देश की जनता का अपमान किया है। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सत्ता से बेदखल होने की हताशा में कांग्रेस अब सड़क पर उतरकर अराजकता फैलाना चाहती है। भ्रष्टाचार, घोटालों और तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली कांग्रेस को जनता ने तीन बार नकार दिया तो अब वो संसद और सड़क दोनों में हंगामा करके देश का माहौल खराब कर रही है।

डबल-डेकर फ्लाईओवर परियोजना का 88 प्रतिशत कार्य पूरा, संशोधित अनुमानित लागत 291 करोड़ स्वीकृति

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर, घोंडा और बृजपुरी जंक्शन (मंगल पांडे मार्ग) पर पीडब्ल्यूडी और डीएमआरसी की संयुक्त डबल-डेकर फ्लाईओवर परियोजना का 88 फीसद कार्य पूरा हो गया है। सरकार का लक्ष्य इस परियोजना को दिसंबर तक पूरा करने का है। यह 1.40 किलोमीटर लंबी परियोजना यमुना विहार और भजनपुरा मेट्रो स्टेशन के बीच बनाई जा रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में बुधवार को हुई व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की बैठक में परियोजना की संशोधित अनुमानित लागत 291 करोड़ रुपये को स्वीकृति दी गई। सरकार का लक्ष्य इस परियोजना को दिसंबर तक पूरा करने का है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह केवल फ्लाईओवर बनाने की परियोजना नहीं है। इसके साथ एलिवेटेड कॉरिडोर, नई सड़कें, फुटपाथ, रोड साइनेज, बिजली, ड्रेनेज, वर्षा जल संचयन (रेन वॉटर हार्वेस्टिंग) और अन्य जरूरी सुविधाओं का भी विकास किया जा रहा है। इस पूरी परियोजना का निर्माण डीएमआरसी कर रही है। इसके लिए पीडब्ल्यूडी और डीएमआरसी के बीच 24 फरवरी 2021 को समझौता हुआ था। परियोजना की मूल स्वीकृत लागत 220.10 करोड़ रुपये थी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 22 जुलाई तक परियोजना का 88 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अब तक 220.10 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में कुछ कार्यों की अनुमति न मिलने के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हुआ था। अब आवश्यक अनुमति मिल चुकी है और डीएमआरसी ने फ्लाईओवर के शेष हिस्से तथा रैंप के निर्माण कार्य को फिर से तेज कर दिया है। अब तक फ्लाईओवर के 80 डेक स्लैब में से 74 तैयार हो चुके हैं और केवल 6 का काम बाकी है। इसी तरह 5,600 रनिंग मीटर क्रैश बैरियर में से 4,100 रनिंग मीटर का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 1,500 रनिंग मीटर का काम शेष है। इसके अलावा 18 एक्सपेंशन जॉइंट में से 14 लगाए जा चुके हैं और 4 लगाए जाने बाकी हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब परियोजना के अंतिम चरण के कुछ महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए जाने हैं। इनमें सड़क की अंतिम परत बिछाने का काम (डीबीएम और बीसी), 100 बिजली के पोल लगाना, 8,000 वर्गमीटर क्रैश बैरियर की पेंटिंग और 94,900 वर्गमीटर एंटी-काबोर्नेशन पेंटिंग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यमुना विहार और भजनपुरा का इलाका वर्तमान में अत्यधिक यातायात दबाव वाला क्षेत्र है। फ्लाईओवर बनने के बाद करीब 65 से 70 प्रतिशत यातायात सीधे इस डबल-डेकर फ्लाईओवर से गुजरेगा, जिससे नीचे की सड़क पर केवल स्थानीय यातायात रहेगा और क्षेत्र में जाम की समस्या में उल्लेखनीय कमी आएगी। इसके अलावा गोकुलपुरी से खजूरी खास होते हुए सिग्नेचर ब्रिज तक लोगों को सिग्नल-फ्री आवागमन की सुविधा भी मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस फ्लाईओवर का निर्माण आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों से किया जा रहा है। इसमें दोनों दिशाओं में 3-3 लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जा रहा है। परियोजना में प्री-कास्ट वायाडक्ट, रैंप पर आरई वॉल और 1000 मिमी व्यास की मजबूत नींव (बोरड कास्ट-इन-सीटू पाइल) जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। फ्लाईओवर की कुल लंबाई 1.40 किलोमीटर होगी। दोनों ओर 140-140 मीटर लंबे रैंप बनाए जा रहे हैं। इसकी कुल चौड़ाई 23 मीटर होगी और इसके लोअर डेक पर 6 लेन का फ्लाईओवर बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार का उद्देश्य राजधानी के लोगों को बेहतर, सुरक्षित और आधुनिक सड़क सुविधाएं उपलब्ध कराना है। दिल्ली की पहली इंटीग्रेटेड डबल-डेकर फ्लाईओवर-मेट्रो परियोजना उत्तर-पूर्वी दिल्ली की यातायात व्यवस्था को नई मजबूती देगी।

डीएमआरसी ने एनएच-9 और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के ऊपर लगाया 58 मीटर लंबा स्पैन

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने ब्लू लाइन पर नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी मेट्रो स्टेशन के ठीक बाद राष्ट्रीय राज्यमार्ग-9 (एनएच-9) और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के ऊपर 58 मीटर लंबा एक विशाल स्पैन लगाया है। सोमवार दोपहर से बुधवार सुबह तक चले काम के दौरान ट्रैफिक लगातार चल रहा। डीएमआरसी ने बुधवार को एक विज्ञप्ति जारी करके यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के मुताबिक, नोएडा इलेक्ट्रॉनिक सिटी के बाद मेट्रो ट्रेनों के लिए एक रिवर्सल सुविधा बनाई जा रही है ताकि ट्रेनें अपनी यात्रा पूरी करने के बाद आसानी से वापस मुड़ सकें। इस सेक्शन में 58 मीटर और 73 मीटर के दो खास स्टील स्पैन लगाए जाने हैं, जो दोनों ही एनएच-9 और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे को पार करेंगे। जहां 58 मीटर (58.216 मीटर) का स्पैन अब पियर 384 और 385 के बीच लगा दिया गया है, वहीं दूसरा स्पैन इस साल के अगले कुछ महीनों में लगाया जाएगा। इस रिवर्सल सुविधा का सिविल काम साल के आखिर तक पूरा हो जाएगा, जिसके बाद ट्रैक बिछाने और बिजली लगाने जैसे दूसरे काम किए जाएंगे। दिल्ली मेट्रो के इंजीनियरों के लिए यह इंजीनियरिंग का एक बड़ा कारनामा था, क्योंकि नीचे व्यस्त हाईवे और एक्सप्रेसवे पर ट्रैफिक में एक दिन भी रुकावट नहीं आई। इसके अलावा, स्पैन को पियर 384 के पास एक चालू ओवरहेड हाई-टेंशन लाइन के नीचे से भी गुजरना था। विज्ञप्ति के मुताबिक हाईवे और एक्सप्रेसवे पर खास जगहों पर ट्रसल (ढांचे) खड़े किए गए, जिन पर बीम रखे गए। फिर विंच नाम की मशीन का इस्तेमाल करके खास प्री-कास्ट स्टील स्पैन को खींचा गया। स्पैन को इंदिरापुरम की तरफ से बीम पर रखा गया और धीरे-धीरे नोएडा सिटी साइट की ओर खींचा गया, जिससे नीचे हाईवे और एक्सप्रेसवे सुरक्षित रूप से पार हो गए। यह स्पैन हाईवे और एक्सप्रेसवे से लगभग 14 मीटर की ऊंचाई पर लगाया गया है। इस ऑपरेशन के लिए महीनों की प्लानिंग, बारीकी से डिजाइनिंग और बहुत सटीक तरीके से काम करने की जरूरत थी। डीएमआरसी के इंजीनियरों ने चौबीसों घंटे इस पूरे ऑपरेशन पर नजर रखी। खींचने का पूरा ऑपरेशन लगातार दो दिनों तक दिन-रात काम करके पूरा किया गया - 20 जुलाई (दोपहर) से 23 जुलाई (सुबह) (सोमवार दोपहर से बुधवार सुबह तक) - जब पूरे दिन ट्रैफि क लगातार चल रहा था। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने पहले भी दिल्ली एनसीआर में कई जगहों पर बहुत ज्यादा ऊंचाई पर और व्यस्त हाईवे के ऊपर निर्माण कार्य सफलतापूर्वक किया है। मूलचंद चौराहे पर मेट्रो ब्रिज का निर्माण, और धौला कुआं चौराहे पर एयरपोर्ट लाइन और पिंक लाइन के वायडक्ट (ऊंचे पुल) इसके कुछ उदाहरण हैं। हालांकि, यह शायद पहला मौका है जब मेट्रो का वायडक्ट किसी चालू एक्सप्रेसवे के ऊपर से गुजारा है।

डीयू में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए कुलसचिव ने दिए कॉलेजों को दिए निर्देश

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन और भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, महाविद्यालयों के प्राचार्यों, निदेशकों, अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विस्तृत सर्कुलर जारी किया है। सर्कुलर में विश्वविद्यालय के सभी कार्यालयों और महाविद्यालयों में हिंदी के अधिकतम प्रयोग पर विशेष जोर दिया गया है।

कुलसचिव ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली विश्वविद्यालय केंद्र सरकार के राजभाषा संबंधी प्रावधानों के अनुसार क क्षेत्र में स्थित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है। इसलिए राजभाषा अधिनियम, 1963, राजभाषा नियम, 1976, गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग के निदेशों तथा वार्षिक राजभाषा कार्यक्रम 2026-27 का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाए। सर्कुलर में बताया गया है कि सभी प्रोस्पेक्टस, सूचना बुलेटिन, नोटिस बोर्ड, लेटरहेड, रबर स्टांप, फाइल कवर, नामपट्ट, बैनर, होर्डिंग, पहचान पत्र, निमंत्रण पत्र, पुस्तकालय कार्ड और लिफाफों पर पते आदि द्विभाषी रूप में प्रकाशित किए जाएंगे, जिसमें हिंदी पहले और अंग्रेजी बाद में समान फॉन्ट आकार में होगी। राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत जारी होने वाले सभी आदेश, अधिसूचनाएं, ज्ञापन, नियम, निविदाएं, अनुबंध, प्रशासनिक रिपोर्ट, पत्रकार विज्ञप्तियां और अन्य सरकारी दस्तावेज हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में जारी किए जाएंगे। सर्कुलर में यह भी निर्देश दिया गया है कि जर्नल और मानक संदर्भ पुस्तकों को छोड़कर पुस्तकालय अनुदान का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा हिंदी पुस्तकों, हिंदी डिजिटल सामग्री तथा अनुवाद संबंधी साहित्य की खरीद पर खर्च करने का प्रयास किया जाए। कार्यालयों में उपलब्ध सभी कंप्यूटरों पर यूनिकोड के माध्यम से हिंदी टंकण को बढ़ावा देने, सेवा पुस्तिकाओं और अभिलेखों में प्रविष्टियां हिंदी में करने तथा सभी रजिस्टरों के शीर्षक द्विभाषी रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

इसके अलावा क एवं ख क्षेत्र से प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में देने तथा केंद्र सरकार के कार्यालयों से अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों के उत्तर भी हिंदी में देने पर जोर दिया गया है। वार्षिक राजभाषा कार्यक्रम 2026-27 के तहत क क्षेत्र में 80 प्रतिशत टिप्पणियां हिंदी में तथा 100 प्रतिशत पत्राचार हिंदी में करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

संसद मार्च के दौरान हुई घटनाओं के सीसीटीवी और दूसरे वीडियो फुटेज संरक्षित करने का दिल्ली पुलिस को निर्देश

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान हुई कथित पुलिस ज्यादती के खिलाफ दायर याचिका पर केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है।

■ **संसद मार्च में पुलिस ज्यादती के खिलाफ याचिका पर केंद्र और दिल्ली पुलिस को नोटिस**

मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि घटना के सीसीटीवी फुटेज और दूसरे वीडियो फुटेज संरक्षित रखे जाएं। मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर को होगी।

सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एन हरिहरन ने आरोप लगाते हुए कहा कि छात्रों पर जुल्म ढाए गए हैं। जंतर-मंतर पर छात्र शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे। छात्र संविधान प्रदत्त अधिकारों का उपयोग कर पदर्शन कर रहे थे।

उन छात्रों पर पुलिस बर्बरता से पेश आई। हरिहरन ने कहा कि दिल्ली पुलिस को आंदोलन को नियंत्रित करने की क्षमता है, लेकिन ऐसा न कर बर्बर तरीका अपनाया गया।

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील विकास सिंह ने कहा कि इस बात का कहीं कोई जिक्र नहीं है कि प्रदर्शनकारियों ने हिंसा का रास्ता अपनाया। विकास सिंह ने कहा कि कई वीडियो हैं जिसमें पुलिस की बर्बरता देखी जा सकती है।

जिन लाठियों से छात्रों को पीटा गया उनमें कीलें लगी हुई थीं। पत्थरों और बिजली के करंट का इस्तेमाल किया गया। क्या इस तरह शांतिपूर्ण प्रदर्शन से निपटा जाता है।

काकरोच जनता पार्टी की ओर से पेपर लीक के आरोपों के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर 20 जून से प्रदर्शन चल रहा था।

इस प्रदर्शन में सोनम वांगचुक ने 28 जून से आमरण अनशन शुरू किया था। करीब 20 दिनों के अनशन के बाद उन्हें जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था।

प्रदर्शनकारियों ने 20 जुलाई को संसद मार्च किया था जिस दौरान राजधानी दिल्ली के कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों और दिल्ली पुलिस के बीच झड़पें हुई।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकरियों के साथ कई स्थानों पर ज्यादती की। दिल्ली पुलिस ने कई स्थानों पर छात्रों पर लाठीचार्ज किया और आंसूगैस छोड़े।

इस मामले में कनाट प्लेस थाना, संसद मार्ग थाना और दूसरे थानों में एफआईआर दर्ज किया गया है।

भविष्यफल

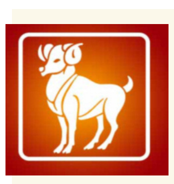

मेष- किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

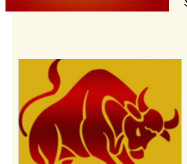

वृष- अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

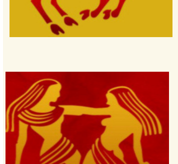

मिथुन- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

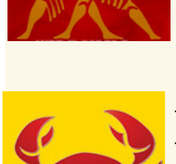

कर्क- स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह- लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

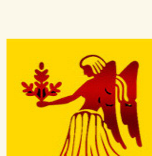

कन्या- स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला- प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक- स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

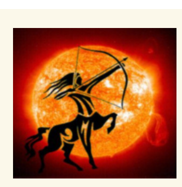

धनु- शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर- लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

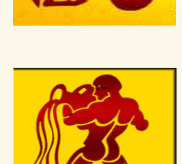

कुंभ- माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

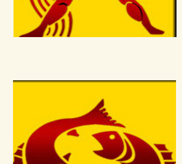

मीन- प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को दी सख्त चेतावनी

होर्मुज में यूएस जहाजों को निशाना बनाया तो पुल व बिजली संयंत्र पर होगा हमला

वाशिंगटन / (एजेंसी)

यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी जारी करते हुए कहा कि अगर होर्मुज में किसी भी जहाज को निशाना बनाया गया, तो यूएसए इसके जवाब में ईरान के अहम बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। अब से जब भी ईरान होर्मुज में किसी जहाज पर हमला करेगा, चाहे वह मिसाइल, रॉकेट, ड्रोन या किसी भी अन्य हथियार या साधन से किया हो, तो यूएस एक पुल या बिजली संयंत्र को बम से नष्ट कर देगा। यूएस ने ईरान पर सतत 11वें दिन पांच शहरों पर हमला किया। बुशेहर, पूर्वी अजरबैजान, हमदान, होर्मोजगान, खुजेस्तान और सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांतों में भी विस्फोट हुए। ईरान की 4 मिसाइलों को जॉर्डन के बंदरगाह शहर अकाबा में एयर डिफेंस ने मार गिराया।

सप्लाई चेन पर हो सकता है असर

भारत जो कच्चे तेल की जरूरत का एक बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आयात करता है, होर्मुज की सुरक्षा रणनीतिक और आर्थिक रूप से बहुत अहम है। इस रास्ते से जहाजों की आवाजाही प्रभावित होने पर माल ढुलाई का खर्च, ऊर्जा की कीमतें और सप्लाई चेन पर असर पड़ सकता है।

यूएस के सैन्य विमानों में ईंधन भरने को तैयार नहीं इजराइल

तेलअवीव। इजराइल ने अमेरिका के ईंधन भरवाने वाले सैन्य विमान की रिफ्यूलिंग पर असहमति जताई है। ईरान के साथ जारी संघर्ष के चलते बड़ी संख्या में अमेरिकी सैन्य एयरक्राफ्ट रिफ्यूलिंग के लिए इजराइल के बेन गुरियन एयरपोर्ट पर पहुंच रहे हैं, जिस कारण वहां की यात्री विमानों की फ्लाइट्स प्रभावित हो गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एक इजराइली अधिकारी ने बयान जारी कर और अधिक विमानों की रिफ्यूलिंग पर असहमति जताई है। अधिकारी ने चेतावनी दी है कि अगर बेन गुरियन एयरपोर्ट पर अमेरिका के और अधिक ईंधन भरने वाले विमान पहुंचते हैं, तो इससे उड़ानों को रद्द करना पड़ सकता है और देरी भी हो सकती है।

सऊदी को मिला यूरेनियम एनरिचमेंट का अधिकार

सऊदी का टारगेट सिर्फ परमाणु आधारित पॉवर प्लांट बनाना नहीं है। वह पूरे न्यूक्लियर फ्यूल साइकिल में शामिल होना चाहता है। यानी यूरेनियम निकालने से लेकर उसे समृद्ध करने तक की क्षमता विकसित करना चाहता है। मो. बिन सलमा लंबे समय से इसके पीछे लगे हुए थे। ट्रम्प से लेकर बाइडेन तक, सभी से उन्होंने डील करने की कोशिशें कीं। आखिरकार ट्रम्प ने उनकी इस मांग को पूरा कर दिया और वो भी पूरी शर्तों के साथ। अमेरिका आमतौर पर जिन मुल्कों के साथ परमाणु समझौता करता है, उसे यूरेनियम एनरिचमेंट का अधिकार नहीं दिया जाता। जैसे कि यूएई के साथ भी उसका परमाणु समझौता है। लेकिन उसे अमेरिका ने यूरेनियम संवर्धन का अधिकार नहीं दिया है। अमेरिका और यूएई के बीच इस समझौते को गोल्ड स्टैंडर्ड कहा जाता है। लेकिन सऊदी इस मॉडल से आगे जाना चाहता था। यही वजह है कि अमेरिका-सऊदी एटमी डील पर पूरी दुनिया की नजर है।

यूएस-ईरान युद्ध में अब तक 37.5 अरब डॉलर खर्च: पीट हेगसेथ

वाशिंगटन, आरएनएन। यूएस रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यूएस सीनेट की विनियोग समिति को बताया है कि ईरान के साथ युद्ध में अब तक 37.5 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं और यह कार्रवाई आगे बढ़ेगी, तो खर्च और बढ़ सकता है। सीनेट समिति के सामने जेसीओएस अध्यक्ष जनरल डैन केन के साथ पेश होते हुए हेगसेथ ने 87.6 अरब डॉलर के अतिरिक्त आपात बजट की मंजूरी मांगी। इसमें से 67 अरब डॉलर से अधिक की राशि सीधे सैन्य अभियानों के लिए रखी गई है। उन्होंने तर्क दिया कि दुनिया भर में बढ़ते खतरों को देखते हुए अमेरिका को अपनी सुरक्षा तैयारियों के लिए भारी संसाधनों की सख्त जरूरत है। जुलाई में यूएस-ईरान में शुरू जंग के बाद आयोजित इस पहली सुनवाई में माहौल काफी गर्म रहा। प्रमुख राजनीतिक दलों (डेमोक्रेटिक और रिपब्लिक) के सांसदों ने युद्ध की भारी वित्तीय लागत, शहीद एवं घायल होते सैनिकों और युद्ध का कोई स्पष्ट लक्ष्य न होने को लेकर सरकार की रणनीति पर गंभीर सवाल उठाए।

समुद्र में बढ़ी भारत की ताकत, नौसेना में शामिल हुआ आईएनएस मालवन

आईएनएस मालवन: 80% स्वदेशी उपकरण व तकनीक का इस्तेमाल

दुश्मन को बनाता है टारगेट

कारवार / (एजेंसी)

भारतीय नौसेना को अपनी ताकत बढ़ाने के लिए एक और स्वदेशी युद्धपोत मिल गया है. कर्नाटक के कारवार में आईएनएस मालवन को नौसेना में शामिल किया गया। यह माहे श्रेणी का दूसरा पनडुब्बी रोधी उथले जल युद्धपोत है। इस युद्धपोत को भारत में ही डिजाइन और तैयार किया गया है।

आईएनएस मालवन का नाम भारतीय नौसेना के पुराने माइंसवीपर आईएनएस मालवन के नाम पर रखा गया है। वह जहाज 19 साल तक सेवा देने के बाद 2003 में रिटायर हुआ था। समारोह में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह मुख्य अतिथि रहे. इस मौके पर पश्चिमी नौसेना

कमान के प्रमुख वाइस एडमिरल संजय वात्सायन, नौसेना के वरिष्ठ अधिकारी, कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जहाज के प्रतीक में बाघ नख : आईएनएस मालवन के प्रतीक चिह्न में बाघ नख बनाया गया है। यह साहस, तेजी और दुश्मन पर अचानक हमला करने की क्षमता का प्रतीक है। इसके चारों ओर बनी समुद्री लहरें भारत के समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा के लिए नौसेना की सतर्कता को दर्शाती हैं।

आत्मनिर्भर भारत अभियान का बड़ा उदाहरण

आईएनएस मालवन में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरण और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह जहाज आत्मनिर्भर भारत अभियान का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है। यह प्रोजेक्ट भारत की जहाज निर्माण क्षमता और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती आत्मनिर्भरता को भी दिखाती है।

वायुसेना अध्यक्ष बोले समुद्री व्यापार की सुरक्षा बेहद जरूरी

समारोह को संबोधित करते हुए एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने कहा कि समुद्री व्यापार की सुरक्षा देश की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद जरूरी है। एयर चीफ ने कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में समुद्री मार्गों को सुरक्षित रखना पहले से ज्यादा अहम हो गया है। उन्होंने भारतीय नौसेना की आत्मनिर्भरता की दिशा में हुई प्रगति की भी सराहना की। एयरचीफ ने सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच बेहतर तालमेल पर भी जोर दिया। वायुसेना प्रमुख का कहना था कि भविष्य की चुनौतियों का सामना तीनों सेनाओं की संयुक्त क्षमता से ही किया जा सकेगा।

आईएनएस मालवन के शामिल होने से भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता और मजबूत होगी। यह युद्धपोत बड़े युद्धपोतों, पनडुब्बियों और नौसैनिक विमानों के साथ मिलकर काम कर सकता है। नौसेना का कहना है कि इससे उसकी युद्धक क्षमता और समुद्री सुरक्षा दोनों मजबूत होंगी। साथ ही, भारत के समुद्री हितों और समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में भी यह युद्धपोत अहम भूमिका निभाएगा।

आकाश में एयरफोर्स की निगरानी और मजबूत होगी

डीआरडीओ ने किए दो बड़े समझौते

नई दिल्ली / (एजेंसी)

दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर रखने और भारतीय वायुसेना की निगरानी क्षमता को नई ऊंचाई देने की पहल की गई है। इसके लिए एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल (एईडब्ल्यू एंड सी एमके-2) कार्यक्रम को नई मजबूती प्रदान की जा रही है।

डीआरडीओ ने इस अहम परियोजना के लिए दो अहमऔद्योगिक साझेदारों के साथ अनुबंध किए हैं। ये अनुबंध अदाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लि. व एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लि. के साथ किए हैं। डीआरडीओ के सेंटर फॉर एयर बोर्न सिस्टम्स (कैब्स) ने छह ए321 विमानों को विशेष सैन्य भूमिका के लिए तैयार करने हेतु एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लि. के से डील की है। ये विमान पहले वाणिज्यिक उड़ानों में इस्तेमाल होते थे, लेकिन अब इन्हें अत्याधुनिक हवाई चेतावनी व नियंत्रण प्लेटफॉर्म में बदला जाएगा। अदाणी डिफेंस लि. को एईडब्ल्यू एंड, कार्यक्रम के मिशन सिस्टम्स के विकास और उत्पादन साझेदार के रूप में चुना है। कंपनी डीआरडीओ के साथ अत्याधुनिक प्रणालियों को विकसित करेगी, जो विमान को आसमान में उड़ता हुआ कमांड एवं कंट्रोल केंद्र बना देंगी।

भारतीय दूत से मिलने को राजी हुए नेपाली पीएम

काठमांडू, आरएनएन। नेपाल के पीएम बालेन्द्र शाह ने काठमांडू में तैनात विदेशी राजदूतों से वन-ऑन-वन यानी अकेले में मुलाकात न करने का अपना ही नियम तोड़ने का फैसला किया है। पीएम शाह इस हफ्ते भारत-चीन के राजदूतों के साथ अलग-अलग अहम बैठक करने वाले हैं। नेपाल सरकार के 100 दिन पूरे होने के

कूटनीतिक कदम उठाया

ठीक बाद यह बड़ा कूटनीतिक कदम उठाया जा रहा है।

नेपाल के विदेश मंत्रालय के समन्वय से यह बैठकें इसी हफ्ते होने की उम्मीद है। तय कार्यक्रम के अनुसार, पीएम शाह एक ही दिन भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव और चीनी राजदूत झांग माओमिंग से अलग-अलग मुलाकात करेंगे। एक ही दिन दोनों देशों के दूतों से मिलने का मकसद यह साफ संदेश देना है कि नेपाल के लिए नई दिल्ली और बीजिंग दोनों का ही समान महत्व है।

उद्धव ठाकरे से मिले अरविंद केजरीवाल, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली, 22 जुलाई (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे से सांसद संजय राउत के आवास पर मुलाकात की। साथ ही उन्होंने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की।

बैठक के बाद आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में अरविंद केजरीवाल ने परीक्षा प्रणाली, नीट पेपर लीक और युवाओं के आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने उद्धव ठाकरे के साथ देश के मौजूदा मुद्दों, युवाओं के राष्ट्रव्यापी आंदोलन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर देशभर से आए युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित, नाराज और निराश हैं। उन्होंने बताया कि वह मंगलवार को जंतर-मंतर गए थे और बाद में उद्धव ठाकरे ने भी प्रदर्शनकारियों और उनके प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

केजरीवाल ने कहा कि पूरी रात कनॉट प्लेस, जनपथ और जंतर-मंतर में अलग-अलग राज्यों से आए युवाओं की भीड़ रही। उन्होंने कहा कि ये बच्चे

देश का भविष्य है। लगातार पेपर लीक से परीक्षा प्रणाली पूरी तरह विफल हो चुकी है। केजरीवाल ने सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करना सरकार की जिम्मेदारी थी, लेकिन वह इसमें विफल रही। उन्होंने आरोप लगाया कि जब युवाओं ने अपनी आवाज उठाई तो उनके साथ लाठीचार्ज और बर्बरता की गई। उन्होंने कहा कि जब मंत्री बार-बार बदले जा सकते हैं, तो शिक्षा मंत्री इस्तीफा क्यों नहीं दे सकते? उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए और परीक्षा प्रणाली को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि आआपा छात्रों के विरोध प्रदर्शन को समर्थन देती रहेगी।

इस मौके पर नीट पेपर लीक मामले और प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक तरीके से विरोध कर रहे लोगों के साथ सख्ती की जा रही है और इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताया। उद्धव ठाकरे ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए तीखी राजनीतिक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार से छात्रों के साथ सख्ती करना जनता में असंतोष बढ़ा रहा है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि वह सीजेपी और छात्रों के विरोध प्रदर्शन का समर्थन देंगे।

एनएचपीसी कर्मियों को तत्काल मिली थी राहत

साइट इंजीनियरिंग टीमें प्राधिकारियों संग मिलकर 24 घंटे कर रही काम

गंगटोक / (एजेंसी)

एनएचपीसी तीस्ता स्टेज-4 जलविद्युत परियोजना, दक्षिण सिक्किम के समरडुंग में निर्माणाधीन हेड रेस टनल (एचआरटी) के भीतर सोमवार 20 जुलाई को अपराह्न 1:04 बजे चट्टानों में फैंसी/अंतर्निहित संदिग्ध मीथेन गैस के अचानक विस्फोटित होने से दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई, जिसके फलस्वरूप विषैली गैसें उत्पन्न हुईं।

प्रोजेक्ट टीम ने तत्काल अपने इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्रोटोकॉल लागू कर दिए। प्रोजेक्ट टीम बचाव कार्यों में मदद के लिए जिला प्रशासन, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय अधिकारियों और अन्य इमरजेंसी एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है। इसके अतिरिक्त, बचाव कार्यों के लिए डीजी माइन्स-सेफ्टी की एक विशेष बचाव टीम भी साइट पर पहुंच गई

है। हमारी साइट इंजीनियरिंग टीमें प्राधिकारियों संग मिलकर 24 घंटे काम कर रही हैं ताकि टनल के वातावरण को स्थिर किया जा सके व बचाव कार्य सुनिश्चित हो सके।

एनएचपीसी का शीर्ष प्रबंधन साइट पर पहुंचा और बचाव टीमों तथा स्थानीय प्राधिकारियों के साथ काम कर रहा है। फंसे कार्मिकों को बाहर निकालने हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, टनल के अंदर 25 कार्मिक फंसे हुए थे, जिनमें से अब तक 10 लोगों के निधन की खबर है। घटना के कारण का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जाएगी।

चीन बोला- हमारे 12 नाविकों को बचाने का एहसान कभी नहीं भूलेंगे

भारत का जताया आभार

बीजिंग / (हि.स.)

भारत और चीन के रिश्तों में धीरे-धीरे सुधार के संकेतों के बीच चीन ने भारतीय सेना के मानवीय अभियान की खुलकर सराहना की है। भारत में चीन के रक्षा अताशे रियर एडमिरल यू जियान ने कहा कि चीन पिछले साल केरल तट के पास दुर्घटनाग्रस्त मालवाहक जहाज से 12 चीनी नाविकों को सुरक्षित बचाने में भारतीय सेना की भूमिका को कभी नहीं भूलेगा। चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की 99वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में यू जियान ने कहा कि हम यह कभी नहीं भूलेंगे कि पिछले जून में केरल तट के पास आग लगने और विस्फोट का शिकार हुए एक मालवाहक जहाज से भारतीय सेना ने 12 चीनी नाविकों को सुरक्षित बचाया था। उन्होंने इस मानवीय सहायता के लिए भारत का सार्वजनिक रूप से धन्यवाद भी किया।

नवाज शरीफ ने पीओके का पीएम बनने की इच्छा जताई

लाहौर / (एजेंसी)

पाक के पूर्व पीएम नवाज शरीफ ने पीओके का पीएम बनने की इच्छा जाहिर की है। पीएमएल-एन अध्यक्ष शरीफ ने कहा कि पीओके का पीएम बनने पर उनके लिए क्षेत्र में विकास कार्यों को व्यक्तिगत रूप से देखरेख करना संभव होगा। पीओके में 27 जुलाई से 10 अगस्त के बीच चुनाव होने हैं। शरीफ ने यह टिप्पणी मंगलवार को मुजफ्फराबाद में एक चुनाव रैली के दौरान की। भारत का कहना है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा हैं। उसका यह भी कहना है कि पाक ने दोनों केंद्र-शासित प्रदेशों के कुछ हिस्सों पर गैर-कानूनी तरीके से जबरन कब्जा कर रखा है।

यह मेरा दूसरा घर

कीटनाशकों के इस्तेमाल की छूट पर फ्रांस की मंत्री बारबट ने दिया इस्तीफा

पेरिस/ (एजेंसी)

फ्रांस की पर्यावरण परिवर्तन मंत्री मोनिक बारबट ने एक कानून का विरोध होने पर ही इस्तीफा देने की पेशकश की है। वे बुधवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपना इस्तीफा सौंपेंगी।

विवाद की मुख्य वजह फ्रांसीसी सांसदों द्वारा पारित नया आपातकालीन कृषि विधेयक है। इस कानून के तहत संघर्षरत कृषि क्षेत्रों को जहरीले कीटनाशकों के इस्तेमाल की अस्थायी छूट दी गई है। लेकिन वैज्ञानिक ही इसका विरोध कर रहे हैं। फ्रांस की पर्यावरण परिवर्तन मंत्री मोनिक बारबट ने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है। इसकी वजह सरकार का एक नया कृषि कानून बना है। इसमें ऐसे कीटनाशकों के इस्तेमाल की अस्थायी अनुमति दी गई है, जिन्हें वैज्ञानिक मधुमक्खियों के लिए खतरनाक मानते हैं। बारबट ने कहा कि अब वह अपने पर्यावरण बचाने के मकसद को आगे नहीं बढ़ा पा रही हैं। इसलिए बुधवार को राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपना इस्तीफा सौंप देंगी।

आज का इतिहास

- **1555 :** सरहिंद में सिकन्दर सूरी को हराकर मुगल शासक हुमायूं दिल्ली पहुंचा।
- **1829 :** विलियम ऑस्टिन बर्ट ने अमेरिका में टाइपोग्राफर (टाइपराइटर का अग्रदूत) का पेटेंट कराया।
- **1856 :** गणितज्ञ, दार्शनिक और राष्ट्रवादी व्यक्ति बाल गंगाधर तिलक का जन्म।
- **1877 :** हवाई में पहली टेलिफोन और टेलिग्राफ लाईन बिछाई गई।
- **1881 :** अंतरराष्ट्रीय जिम्नास्टिक संघ ने खेल परिसंघ की स्थापना की। यह विश्व का सबसे पुराना खेल परिसंघ है।
- **1903 :** फोर्ड मोटर कंपनी ने अपनी पहली कार बेची थी।

ग्रामोदय विश्वविद्यालय के एआई नवाचार को भारत सरकार की मान्यता, व्यक्तिगत शिक्षण के लिए विकसित डिजाइन हुआ पंजीकृत

चित्रकूट, 21 जुलाई (दिव्य भारत ब्यूरो)। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित शैक्षणिक उपकरण के डिजाइन को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने पंजीकृत किया है। यह नवाचार व्यक्तिगत (पर्सनलाइज्ड) शिक्षा और तकनीक आधारित शिक्षण व्यवस्था को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है।

विश्वविद्यालय के शोधकर्ता डॉ. देव रस पाण्डेय एवं उनकी टीम द्वारा विकसित इस तकनीकी डिजाइन का नाम एआई-इनहांस्ड एजुकेशनल डिवाइस फॉर पर्सनलाइज्ड लर्निंग रखा गया है। यह एआई आधारित उपकरण विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता, गति, रुचि और आवश्यकताओं का विश्लेषण कर उनके अनुरूप अध्ययन सामग्री और मार्गदर्शन उपलब्ध कराएगा, जिससे प्रत्येक छात्र को उसकी क्षमता के अनुसार गुणवत्तापूर्ण और प्रभावी शिक्षा मिल सकेगी।

विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो.

आलोक चौबे ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामोदय विश्वविद्यालय नवाचार और शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शोध संस्कृति और तकनीकी उत्कृष्टता का प्रमाण है तथा भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी।

डॉ. देव रस पाण्डेय ने बताया कि भविष्य की शिक्षा व्यवस्था में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उनके अनुसार यह उपकरण स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल शिक्षा, अनुकूली (एडैप्टिव) शिक्षण और व्यक्तिगत शिक्षा प्रणाली को सशक्त बनाएगा। साथ ही विद्यार्थियों की सीखने की प्रगति का विश्लेषण कर उन्हें बेहतर शैक्षणिक अनुभव उपलब्ध कराने में भी सहायक होगा।

डॉ. पाण्डेय कंप्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लंबे समय से शोध कार्य कर रहे हैं। उनके प्रमुख अनुसंधानों में डिजिटल लाइब्रेरी के लिए क्लाउड कंप्यूटिंग, ऑपरेटिंग सिस्टम आधारित वर्चुअलाइजेशन मॉडल, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) आधारित साइबर सुरक्षा, वाहन डेटा संरक्षण, डीप लर्निंग, ऑटोनॉमस रोबोटिक्स, परिवर्धित कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा हेल्थकेयर डेटा गुणवत्ता सुधार से जुड़ी एआई तकनीकों पर शोध शामिल हैं।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारत सरकार द्वारा पंजीकृत यह डिजाइन भविष्य की डिजिटल शिक्षा व्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। इससे स्मार्ट क्लासरूम की अवधारणा को मजबूती मिलेगी और ग्रामीण व दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों तक भी गुणवत्तापूर्ण, तकनीक-सक्षम एवं व्यक्तिगत शिक्षा पहुंचाने में मदद मिलेगी।

विश्वविद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर डॉ. देव रस पाण्डेय एवं उनकी शोध टीम को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह नवाचार भारतीय शिक्षा व्यवस्था को अधिक समावेशी, प्रभावी और भविष्य उन्मुख बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

इंडो-चीन सीमा पर उठाया शांति का मुद्दा

मनीला, आरएनएन। भारत और चीन के विदेश मंत्रियों की बैठक बेहद सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई, लेकिन भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों को पूरी तरह सामान्य बनाने की राह में बाधक बने सभी प्रमुख मुद्दों को एक-एक करके साफ तौर से उठाया। सीमा क्षेत्रों में शांति और अमन को सामान्य संबंधों की प्रमुख शर्त बताते हुए जयशंकर ने चीन के पक्ष में भारी व्यापारिक घाटे, बाजार पहुंच की कमी और कुछ जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति में चीन की तरफ से बाधा उत्पन्न करने जैसे संवेदनशील मुद्दों पर स्पष्ट चिंता जताई।

भारत-चीन विदेश मंत्रियों की बैठक

बैठक के दौरान जयशंकर ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से कहा कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता सामान्य संबंधों की पूर्व शर्त है। 2020 में चीन की तरफ से पूर्वी लद्दाख में घुसपैठ किये जाने के बाद से यह भारत का सतत रुख है। दोनों मंत्री फिलीपींस की राजधानी मनीला में आसियान के उच्च स्तरीय कार्यक्रमों में शामिल होने पहुंचे थे। जयशंकर ने कहा कि, अक्टूबर 2024 से दोनों पक्ष इस महत्वपूर्ण उद्देश्य को सुनिश्चित करने के लिए लगे हुए हैं, लेकिन इस पर निरंतर ध्यान देने की जरूरत है।

संपादकीय

कर्मियों व लोगों की सेहत-सुरक्षा जरूरी

यह हमारी व्यवस्था की विडंबना ही है कि सड़कों व सार्वजनिक स्थलों में पसरा कचरा हटाना हमारी प्राथमिकता नहीं बनता। यह कचरा केवल दिखने में ही बुरा नहीं लगता बल्कि कई तरह के रोगों को जन्म देकर सार्वजनिक संकट का कारक भी बन सकता है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि हमारे समाज में सबसे महत्वपूर्ण सफाई का काम करने वाला वर्ग आर्थिक व सम्मान की दृष्टि से सबस ज्यादा उपेक्षित रहता है। कमोबेश पंजाब की सड़कों पर जमा कचरा यही संकट दर्शा रहा है। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के बीच घातक बीमारियां फैलने के खतरे को लेकर पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट की चेतावनी यह बताती है कि शहरी जीवन के लिये मूलभूत नागरिक सेवाएं कितनी महत्वपूर्ण हैं। खासकर मानसून के सीजन में यदि कचरा नहीं उठाया जाता तो स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है। बारिश में इस कचरे के बहने से नालियां जाम हो जाती हैं। वहीं पानी के स्रोत भी दूषित हो सकते हैं। साथ ही मच्छर,चूहे व कीट-पतंगे पनपने से बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में हाईकोर्ट का राज्यभर की नागरिक संस्थाओं से रिपोर्ट मांगना और सरकार की जवाबदेही तय करना वक्त की जरूरत भी है। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि नगर निकायों के अधिकारियों को जरूरी सेवाओं, विशेषकर लोगों की सेहत से सीधे जुड़ी सेवाओं के लिये आपातकालीन योजनाएं बनानी ही चाहिए। निस्संदेह, इस संकट को महज कानून व व्यवस्था के नजरिये से ही नहीं देखा जा सकता। निर्विवाद रूप से हमारे समाज में सफाई कर्मचारियों की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका होती है, लेकिन इस अहम कार्य को हम अपेक्षित मान्यता नहीं देते। यह विडंबना ही है कि सफाई कर्मचारी लंबे समय से नौकरी की असुरक्षा, स्थायी होने में लगने वाली देरी, मिलने वाला कम वेतन और काम करने की खराब स्थितियों की शिकायत करते रहते हैं। शोचनीय स्थिति यह है तंत्र सफाई कर्मचारियों की मांगों को तब तक नजरअंदाज करता है, जब तक वे अपनी मांगों के समर्थन में सड़कों में नहीं उतर जाते। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सफाई कर्मचारियों को उनका वाजिब हक मिलना चाहिए। लेकिन हड़ताल व स्वास्थ्य सेवाओं का ठप होना न तो लोगों के हित में है और न ही सफाईकर्मियों के हक में। भारत में हर रोज 1.7 लाख टन से ज्यादा ठोस कचरा विभिन्न नगरपालिकाओं के अंतर्गत पैदा होता है। लेकिन तीव्र गति से बढ़ते शहरीकरण के चलते नागरिक सेवाओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में इस चुनौती के मुकाबले के लिये आधुनिक तकनीक के साथ प्रोफेशनल तरीके से ठोस कचरे का निस्तारण होना चाहिए। साथ ही जरूरी है कि पर्याप्त स्टाफ मिले, सफाई के आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराये जाएं। इसके अलावा इस क्षेत्र में निरंतर निवेश बढ़ाया जाए। हमारे नीति-नियंताओं को सोचना चाहिए कि आपातकाल के समय की गई कोई भी कार्रवाई लंबी अवधि की योजना का विकल्प नहीं बन सकती। ऐसे में सरकार के अधिकारियों को तुरंत सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधियों से बातचीत करनी चाहिए। उनकी जायज मांगों को एक तय समय सीमा में हल करने की दिशा में अविलंब काम करना चाहिए। इसके अलावा आपातकालीन इंतजामों के जरिये साफ-सफाई से जुड़ी सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रहनी चाहिए। निस्संदेह, किसी भी तरह के विवाद के चलते आम लोगों की सेहत को दांव पर नहीं लगाया जा सकता। यह भी विडंबना ही है कि जब तक सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा जमा होना शुरू नहीं होता, तब तक अक्सर शहरों की सफाई को हल्के में ले लिया जाता है। निश्चित रूप से हाल ही में पंजाब में पैदा हुए गतिरोध से हमें सबक लेना चाहिए। बल्कि इस चुनौती के बीच साफ-सफाई को एक जरूरी जन सेवा के तौर पर मान्यता देने का उपक्रम करना चाहिए। हमारा प्रयास हो कि हम शहरों की सफाई के लिये बेहतर नियोजन करें। इस क्षेत्र में निवेश को बढ़ाएं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सफाई के काम से जुड़े लोगों के कार्य का महत्व समझते हुए उन्हें पर्याप्त सम्मान दिया जाए। नागरिक भी अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते।

आंदोलन के पीछे हिडन एजेंडा!

चन्दन कुमार

कॉकरोच जनता पार्टी जो की सिस्टम के खिलाफ आवाज उठाने के लिए युवाओं की आवाज के रूप में उभरी थी। इसके मुखिया अभिजीत दीपके और उनके टीम के लोगों ने भले ही कई बार यह दावे किए कि, इस आंदोलन के पीछे कोई राजनीतिक दल नहीं है। पर सच्चाई यही है कि इसके पीछे कई राजनीति के दलों का सहयोग भी रहा। इस मुहिम को खड़े करने वाले अभिजीत दीपके ने भी यह स्वीकार किया कि वह खुद आम आदमी पार्टी से जुड़े हुए थे। वह आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया का कार्य देखते थे। इस सोशल मीडिया का उपयोग कर उन्होंने इतना बड़ा मोमेंट खड़ा किया है।

जग जाहिर है कि विदेशी सर-जमीन से खड़ा किया हुआ यह मूमेंट अब उग्र हो चुका है और वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह बांग्लादेश,नेपाल इत्यादि में हुए आंदोलन के रूप में परिवर्तित करने की एक नाकाम कोशिश की जा रही है।

किसी भी आंदोलन को उग्र या व्यापक रूप देने के पीछे कई सारे कारण सामने आते हैं, लेकिन कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ताओं ने एक- एक करके यह घोषणा किया कि उनका किसी राजनीतिक दल से कोई लेना-देना नहीं है। वह सिर्फ और सिर्फ युवाओं, बेरोजगारों और छात्रों की आवाज उठाने के लिए एक गैर राजनीतिक आंदोलन खड़ा कर रहे हैं। लेकिन जैसे-जैसे उनका आंदोलन आगे बढ़ता गया वैसे-वैसे लगभग सभी विपक्ष के राजनीतिक दल उनके मंच पर आते गए और उन्होंने सरकार को आड़े हाथों लेने में कोई कमी नहीं की।

ऐसे में जब यह आंदोलन उग्र हो चुका है, तो यह सवाल तो बनता है कि आखिर इस आंदोलन के पीछे वह हिडन एजेंडा क्या है? जिसको लेकर आंदोलनकारियों द्वारा बांग्लादेश,नेपाल जैसे घटनाओं का उल्लेख किया जा रहा है। वहां पर जेन-जी ने जिस प्रकार से संसद की गरिमा को तार तार करके लोकतंत्र के बकेडिया उधेड़कर, हिंसात्मक करवाई द्वारा कई बेगुनाह,निर्दोष लोगों के बली लेकर सत्ता परिवर्तन का जो खेल खेला, क्या वही खेल भारत में दोहराने की कोशिश की जा रही है ?

सोमवार के दिन भारत के संसद परिसर तक पहुंचाने की जो नाकाम कोशिश की गई, उसको देखकर यह प्रतीत हो रहा है कि इस आंदोलन के पीछे भी कोई हिडन एजेंडा है। जिसको जल्द उजागर न किया गया तो हमारा समृद्धशाली और विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र को गहरा आघात पहुंचाने की षड्यंत्र सफल हो सकता है।

संसद के मयार्दा को संसद भवन के करीब पहुंचकर बाधित करने का कार्य किया गया जो कहीं से भी सराहनीय नहीं है कई पक्ष विपक्ष के बहुचर्चित चेहरों ने संसद भवन पर हुए इस प्रकार के प्रदर्शन का घोर विरोध भी किया है। साथ ही साथ पुलिस द्वारा बलपूर्वक की गई कार्रवाई को भी गलत बताया, लेकिन क्या इस आंदोलन के पीछे कोई विदेशी हिडन एजेंडा है जो भारत की लोकतांत्रिक मयार्दा को बांग्लादेश और नेपाल जैसे हालात में पहुंचने की नाकाम कोशिश कर रहा है। इसको उजागर करना और इसको समझना बेहद जरूरी है।

नीट विवाद पर क्यों थम गई संसद: छात्रों में असंतोष या विपक्ष का सियासी दांव?

नीट विवाद ने देश की राजनीति को दिया नया मोड़!

ओ.पी. पाल

संसद के मानसून सत्र के दौरान राष्ट्र की सर्वोच्च पंचायत संसद केवल विधायी बहसों या नीतिगत बहसों का केंद्र नहीं रही, बल्कि यह देश के लाखों युवाओं के भविष्य, आक्रोश और असंतोष का रणक्षेत्र बन गई है। संसद के मानसून सत्र के दौरान दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में कार्यवाही शुरू होते ही व्यवधान उत्पन्न होता नजर आ रहा है। गया। विपक्षी दलों के सांसदों के इस मामले को लेकर कड़े तेवर हैं और सरकार के खिलाफ अलग अलग रुप में आंदोलन चलाने पर उतारु हैं यानी पूरे देश में सियासी बवाल मचा हुआ है। इस पूरे बवाल के मूल में नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट) परीक्षा में कथित धांधली, पेपर लीक के आरोप, और राजधानी दिल्ली में लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन कर रहे छात्रों तथा युवाओं पर पुलिस द्वारा किया गया बल प्रयोग है। विपक्ष अब सीधे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर अड़ गया है। सड़कों पर शुरू हुआ एक शैक्षणिक आंदोलन अब देश का सबसे बड़ा राजनीतिक और सामाजिक मुद्दा बन चुका है, जिसने संसद में सरकार के विधायी एजेंडे पर गंभीर दबाव बना दिया है।

भारत जैसे जीवंत और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में जब देश का युवा सड़कों पर उतर आए और संसद की कार्यवाही ठप हो जाए, तो यह पूरी व्यवस्था के लिए चिंतन का विषय है। संसद का काम केवल कानून बनाना नहीं, बल्कि देश के नागरिकों, विशेषकर युवाओं के संशय और पीड़ा का समाधान करना भी है।

ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह विपक्ष और प्रदर्शनकारी छात्रों के प्रतिनिधियों के साथ एक पारदर्शी संवाद कायम करे, ताकि जांच पर विश्वास बहाल हो सके। वहीं, विपक्ष को भी चाहिए कि वह विधायी कामकाज में भागीदारी करते हुए संसद को ही अपनी बात और तर्कों का सबसे मजबूत मंच बनाए। यदि समय रहते इस गतिरोध और युवा असंतोष को तार्किक परिणति तक नहीं पहुंचाया गया, तो इसका नुकसान केवल राजनीति को नहीं, बल्कि भारत के उज्ज्वल भविष्य उसके युवाओं को भुगतना पड़ेगा।

सड़कों से संसद तक विपक्ष का एकीकृत एजेंडा

विपक्ष को नीट और छात्र असंतोष के रूप में एक ऐसा सर्वव्यापी मुद्दा मिल गया है जो सीधे देश के हर दूसरे-तीसरे परिवार को प्रभावित करता है। विपक्षी दल इसे आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के लिए भी एक बड़े राजनीतिक हथियार के रूप में विकसित कर रहे हैं। संसद के भीतर और बाहर विपक्ष ने इस मुद्दे को पूरी ताकत से उठाया है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस, वामपंथी दलों, तृणमूल कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय दलों ने एकजुट होकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शायद विपक्ष का सबसे बड़ा हमला केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर है। विपक्षी नेताओं का तर्क है कि जब देश की सबसे बड़ी और संवेदनशील चिकित्सा प्रवेश परीक्षा की साख तार-तार हो गई है, तो मंत्री अपनी नैतिक जिम्मेदारी से भाग नहीं सकते।

विपक्ष का कहना है कि जब तक शिक्षा मंत्री पद पर बने रहेंगे, तब तक किसी भी जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठते रहेंगे। कांग्रेस सांसदों ने तो यहां तक आरोप लगाया कि केंद्र सरकार देश के मेधावी छात्रों की आवाज सुनने के बजाय पुलिस की लाठियों से उसे दबाना चाहती है। विपक्षी दल इस मुद्दे पर एक तरफ तो चर्चा की मांग कर रहे हैं, वहीं सरकार इसके लिए तैयार हैं, लेकिन विपक्ष संसद के भीतर हंगामा व नारेबाजी करके कार्यवाही को चलने नहीं दे रहे हैं।

शायद विपक्षी दल इस मुद्दे पर अपनी सियासी रणनीति को मजबूत करना चाहता है। विपक्ष का दावा है कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पूरी तरह से विफल साबित हो चुकी है और इसके शीर्ष अधिकारियों की जवाबदेही तय किए बिना केवल छोटे कर्मचारियों पर गाज गिराना अन्याय है।

सरकार का दावाः सरका हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार

संसद और सड़को पर विपक्ष के लगातार जारी आक्रामक तेवरों और हंगामे के बीच केंद्र सरकार ने भी अपना रुख साफ किया है। सरकार का कहना है कि वह छात्रों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बार-बार सदन में दोहराया कि सरकार नियम के तहत नीट मामले समेत किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर प्रश्नकाल के बाद विस्तृत चर्चा कराने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सरकार का आरोप है कि विपक्ष चर्चा करने के बजाय केवल सदन को ठप करने की राजनीति कर रहा है। सरकार का तर्क है कि पेपर लीक और सार्वजनिक परीक्षाओं में धांधली को रोकने के लिए नया और कठोर सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम लागू किया जा चुका है। उच्च स्तरीय जांच एजेंसियां हर पहलू की गहनता से पड़ताल कर रही हैं। सरकार का कहना है कि बिना ठोस तथ्यों के पूरी परीक्षा को अचानक रद्द कर देना या जल्दबाजी में कोई फैसला लेना उन लाखों ईमानदार और मेधावी छात्रों के साथ अन्याय होगा जिन्होंने वर्षों तक दिन-रात मेहनत की है।

देश में एक बड़ा सामाजिक व राजनीतिक मोड़

नीट विवाद और जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई के बाद देश के माहौल में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है। यह मामला अब केवल एक प्रतियोगी परीक्षा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके कई सामाजिक और राजनीतिक आयाम सामने आ चुके हैं। युवाओं में गहराता अविश्वास सरकार के लिए सिरदर्द बनता जा रहा है। बार-बार लीक होते पेपरों और प्रतियोगी परीक्षाओं में देरी से देश के मध्यमवर्गीय और ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले युवाओं का भरोसा भारत की चयन और परीक्षा प्रणालियों से डगमगा रहा है। यह अविश्वास देश के जनसांख्यिकी लाभांश के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

चार धाम में श्रद्धालुओं की संख्या में उछाल

डॉ बृजेश सती

उत्तराखंड की चार धाम यात्रा, देश की प्रमुख और पवित्र तीर्थ यात्राओं में एक है। यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ की यात्रा कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और प्राचीन धार्मिक परंपराओं पर आधारित है। इन धामों में यात्रा का समय निर्धारित है। चार धामों के अलावा देश के किसी भी अन्य मंदिर में द्वार खुलने और बंद की परंपरा है।

यह यात्रा तीन चरणों में की जाती है। पहले चरण मंदिरों के द्वार खुलने से 30 जून की अवधि का होता है। दूसरा वर्षा ऋतु के दौरान । जिसमें श्रद्धालुओं की संख्या कम होती है। तीसरा यात्रा काल सितंबर अक्टूबर से कपाट बंद होने तक की अवधि का रहता है। मुख्य रूप से यात्रा के दृष्टिकोण से पहला और तृतीय चरण महत्वपूर्ण है। 20वीं सदी के शुरूआती दशक में एक यात्रा काल में 50 हजार तीर्थ यात्री आते थे। अब आंकड़ा पचास लाख पार कर गया है। जानकारों के मुताबिक इस बार यह आंकड़ा 60 लाख पार कर सकता है।

यदि इस यात्रा काल के पहले चरण की बात की जाए, तो पहले 73 दिनों में रिकॉर्ड यात्री चार धाम पहुंचे। 19 अप्रैल से 30 जून तक कुल 42,69,991 श्रद्धालुओं ने चार धामों में दर्शन किया। सन 2025 में, 30 अप्रैल से 30 जून के बीच 35 लाख 66 हजार 149 यात्रियों ने दर्शन किए। जबकि सन 2024 में 10 मई से 30 जून तक यात्रियों की संख्या 28 लाख 32 हजार 115 रही। 24 की तुलना में 14,37,866 और सन 2025 से 7 लाख 3 हजार यात्री अधिक आए। इस इस बार पहले चरण की यात्रा में 16 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इस बार भी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश आदि राज्यों से सर्वाधिक यात्री चार धाम यात्रा में आए। हालांकि इस बार अधिक मास (17 मई से 15 जून) के कारण नेपाल और दक्षिण भारत से पिछले वर्ष की तुलना कम यात्री पहुंचे। इसके अलावा बदरीनाथ और केदारनाथ में यात्रियों की संख्या बढ़ने के कारण कुछ यात्री दर्शन नहीं कर पाए। कई घंटों तक दर्शन के लिए इंतजार करना पड़ा।

बदरीनाथ में एक दिन में आए 21 हजार से अधिक यात्री

इस बार बदरीनाथ मंदिर के कपाट खुलने से लेकर 30 जून की अवधि यानि पहले चरण के 69 दिनों में 13 लाख 76 हजार 861 यात्रियों ने भगवान बदरी विशाल के दर्शन किये। प्रतिदिन का आंकड़ा 21 हजार 196 रहा। जबकि इसी दौरान पिछले यात्रा काल में प्रतिदिन आने वाली यात्रियों की संख्या लगभग 16 हजार 849 थी। पिछले साल की तुलना में पहले चरण में बदरीनाथ आने वाले श्रद्धालुओं की

संख्या में 23 फीसद का इजाफा हुआ।

वहीं केदारनाथ धाम में 70 दिनों में (22 अप्रैल से 30 जून तक) 13 लाख 61 हजार 160 यात्रियों ने भगवान केदारनाथ के दर्शन किये। प्रतिदिन यहां 20 हजार 122 यात्री धाम पहुंचे। पिछले साल इसी अवधि में 20 हजार 49 यात्री प्रतिदिन धाम पहुंचे। यहां मामूली बढ़ोतरी हुई।

यमुनोत्री और गंगोत्री धाम में भी इस बार यात्रियों की संख्या में इजाफा हुआ। इस बार 19 अप्रैल से 30 जून के बीच 73 दिनों में यमुनोत्री धाम में 6 लाख 27 हजार यात्री पहुंचे। प्रतिदिन 8,589 यात्रियों की आमद हुई। पिछले यात्रा काल में इस दौरान यमुनोत्री आने वाले यात्रियों की संख्या लगभग यानी 5,74,900 थी। इस बार पहले दौर में 8.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

इसी तरह गंगोत्री धाम में भी इस बार यात्रियों की संख्या में उछाल देखने को मिला। पिछले साल जहां 5,83,359 यात्री आए थे। वहीं इस बार यह आंकड़ा 6,64,857 रहा। यहां रोज 9107 श्रद्धालु आए। यहां 12 प्रतिशत यात्री पहले चरण में अधिक आए।

पहले ही चरण में 42 लाख का आंकड़ा पार

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023, 24 और 25 के यात्रा काल में चार धामों में क्रमशः 54 लाख, 46 लाख और 48 लाख से अधिक यात्रियों ने दर्शन किए। जबकि इस बार यात्रा के पहले दो महीनों में चार धाम आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी हुई। 19 अप्रैल से 30 जून तक यहां 42,69,991 श्रद्धालु आ चुके हैं।

यदि आंकड़ों पर बारीकी से नजर डालें तो, तस्वीर और साफ हो जाती है। जहां वर्ष 23 के मुकाबले 2024 में चार धाम आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में लगभग 16 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। वहीं 25 में लगभग 4 प्रतिशत वृद्धि हुई। जहां तक सन 2026 की यात्रा का सवाल है तो पहले दो महीनो में 16.5 फीसद का इजाफा हुआ है। इस बार यात्रा अवधि अधिक रहेगी। गंगोत्री मंदिर के कपाट 9 नवंबर, गोवर्धन पूजा के दिन, यमुनोत्री और केदारनाथ मंदिरों के कपाट, भैया दूज,10 नवंबर को बंद होंगे। बदरीनाथ मंदिर के कपाट नवंबर माह के तीसरे या चौथे सप्ताह में बंद किए जायेगे।

रोज 60 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे, चार धाम

वर्ष 2026 के पहले दो महीना में चार धाम आने वाले यात्रियों के प्रतिदिन का आंकड़ा पिछले सालों की अपेक्षा ज्यादा रहा।

पर्यटन विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार इस बार प्रतिदिन 60,516 श्रद्धालुओं ने यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ मंदिर में दर्शन किए। जबकि जबकि पिछले साल यहआंकड़ा 55,885 था। सन 2024 में यह संख्या 52,000 के आसपास रही। इस बार चार धाम आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 4631 अधिक रही।

मंदिर प्रबंधन, तीर्थ पुरोहित और कारोबारी उत्साहित

यात्रियों की संख्या में वृद्धि से मंदिरों का प्रबंधन और संचालन करने वाली संस्थाओं के पदाधिकारी, तीर्थ पुरोहित और होटल व्यवसाय से जुड़े लोग उत्साहित हैं। इनका मानना है कि यात्रा का पैटर्न ऐसा रहा, तो इस बार आंकड़ा 60 लाख पार कर जाएगा।

बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का कहना है कि बदरीनाथ और केदारनाथ में कपाट खुलने से 30 जून तक 30 लाख श्रद्धालु पहुंचे। उनका कहना है कि तीसरे चरण की यात्रा को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। गंगोत्री मंदिर समिति के सचिव और चार धाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के अध्यक्ष सुरेश सेमवाल का कहना है कि गंगोत्री धाम में इस बार पिछले यात्रा काल की तुलना में इस बार लगभग सवा लाख यात्री अधिक पहुंचे।

यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल का मानना है कि यात्री सुविधाओं की ओर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। जानकी चट्टी से यमुनोत्री धाम के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाने के साथ ही रोप वे निर्माण में तेजी लाई जाय। चार धाम होटल एसोसिएशन सचिव निखिलेश सेमवाल ने कहा यात्रा के दो महीने उत्साह जनक रहे। पिछले दो वर्षों की तुलना में इस बार कारोबार ठीक रहा। उनके मुताबिक इस बार यात्रियों की संख्या सीमित नहीं थी। इसलिये ज्यादा यात्री आए।

तिलक ने गणेश उत्सव और शिवाजी महोत्सव के माध्यम से राजनीतिक चेतना जगाई

डॉ. लोकेश कुमार चन्देल

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक महान स्वतंत्रता सेनानी, महान विचारक, बेहतरीन शिक्षक और समाज सुधारक के रूप में अपनी अनूठी पहचा बनाई। वे महात्मा गांधी से पहले कांग्रेस के बड़े नेता और गरम दल के शीर्षस्थ नेताओं में शुमार थे। उनकी जयंती 23 जुलाई को मनाई जाती है। उनका जन्म 23 जुलाई, 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में हुआ था। उन्होंने नारा दिया था स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा। उनका मानना था कि देश की स्वतंत्रता के लिए सबसे पहले राष्ट्रीय भावना, धार्मिक, सांस्कृतिक एकता स्थापित करना आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने चार सिद्धांत स्वराज, स्वदेशी, बहिष्कार और राष्ट्रीय शिक्षा को स्वदेशी विचारधारा के साथ प्रतिपादित किया गया। इस चार सूत्रीय रणनीति ने स्वतंत्रता संग्राम की मजबूत नींव रखी।

राष्ट्रीय चेतना का विकास

तिलक ने भारतीयों में आत्मसम्मान, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत की। उन्होंने जनता को राजनीतिक और सामाजिक रूप से जागरूक बनने के लिए प्रेरित किया। तिलक ने गणेश उत्सव को सार्वजनिक रूप दिया। इसका उद्देश्य विभिन्न जातियों और वर्गों के लोगों को एक मंच पर लाकर सामाजिक एकता और राष्ट्रीय भावना को मजबूत करना था। तिलक यह अच्छी तरह जान चुके थे कि केवल अतीत के गौरवगान से कुछ हासिल नहीं होगा। वे जानते थे कि जब तक युवाओं का मजबूत संगठन उठ खड़ा नहीं होगा, तब तक क्रांति का मार्ग प्रशस्त नहीं हो पाएगा। वे यह भी जानते थे कि भारतीय युवाओं में जो सांस्कृतिक चेतना सो गई है, उसे जगाना आवश्यक है। युवाओं के बिना मजबूत संगठन की बात सोची भी नहीं जा सकती। उस दौर में गणेशोत्सव का जो स्वरूप था, वह आज से बिल्कुल भिन्न था। सन 1893 में तिलक ने पुणे में गणेशोत्सव की नींव रखी।

धार्मिक आयोजन के रूप में गणेशोत्सव मनाने की परंपरा गांव-गांव और शहर-शहर में बहुत पहले से चली आ रही थी लेकिन जब देश को स्वतंत्रता दिलाने के लिए युवाओं के संगठन की आवश्यकता महसूस हुई, तब तिलक को गणपति बप्पा से बड़ा कोई धार्मिक पुरोधा नहीं मिला। उन्होंने गणेशोत्सव मनाने की जो राष्ट्रीय परंपरा की एक नींव डाल दी, वह 132 वर्ष पूरे होने के बाद भी चल रही है। वे गणों के स्वामी हैं, व्रातपति हैं, समूह के देवता हैं इसलिए समूह से प्यार करते है। राष्ट्र के विकास का आधार मनुष्य के श्रम की पूंजी है इसीलिए तिलक ने गणेशजी

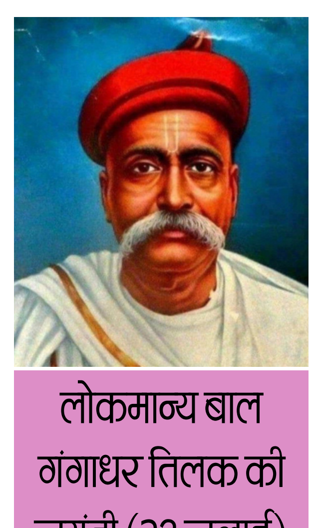

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती (23 जुलाई) पर विशेष

को राष्ट्र का आराध्य बनाया। विघ्नहर्ता गणेश जी उन सभी को सुहाते हैं जो कर्म में जुते हुए हैं और अपने मानस में श्रद्धा और विश्वास को स्थापित कर निर्भय हो जाना चाहते हैं।

शिवाजी महोत्सव का आयोजन

तिलक ने महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती को सार्वजनिक रूप से मनाने की परंपरा शुरू की। शिवाजी के जीवन चरित्र से युवाओं में साहस, देशभक्ति और स्वाभिमान की भावना का विकास हुआ। इसके साथ ही 1880 में न्यू इंग्लिश स्कूल की स्थापना में सहयोग किया। बाद में डेक्कन एजुकेशन सोसायटी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका मानना था कि शिक्षा का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान होता है। उनका मानना था कि शिक्षा व्यक्ति को आजादी का पाठ अच्छी तरह पढ़ाती है।

इसके बाद 3 जुलाई, 1908 को बाल गंगाधर तिलक को अंग्रेजों ने राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। बर्मा के मांडले में 1908 से 1914 तक तिलक को 6 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। 1908 में उन्हें 6 वर्ष के लिए मांडले (बर्मा, वर्तमान म्यांमार) की जेल भेजा गया।

बाल गंगाधर तिलक का राजनीतिक करियर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। वे स्वराज की मांग को जन-आंदोलन बनाने वाले प्रमुख नेताओं में थे। तिलक ने 1889 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में प्रवेश किया। प्रारंभ में कांग्रेस के भीतर गरम विचारधारा के प्रमुख नेता माने जाने लगे। उनका मानना था कि केवल प्रार्थना और याचिका से स्वतंत्रता नहीं मिलेगी। उन्होंने लाला लाजपत राय और बिपिन चंद्र पाल के साथ मिलकर लाल-बाल-पाल की प्रसिद्ध तिकड़ी का नेतृत्व किया। स्वदेशी, बहिष्कार, राष्ट्रीय शिक्षा और स्वराज के कार्यक्रमों का समर्थन किया।

बंगाल विभाजन का विरोध

बाल गंगाधर तिलक ने 1905 में बंगाल विभाजन के विरुद्ध जन-आंदोलन का नेतृत्व किया। इसके लिए उन्होंने विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा दिया। सन 1907 में कांग्रेस के सूरत अधिवेशन में नरमपंथी और गरमपंथी नेताओं के बीच मतभेद बढ़ गए। इसके बाद कांग्रेस दो धड़ों में विभाजित हो गई।

होमरूल लीग की स्थापना

बाल गंगाधर तिलक ने जेल से लौटने के बाद सन 1916 में होमरूल लीग की स्थापना की। इसके बाद भारत को स्वशासन दिलाने की मांग को लेकर होमरूल लीग के आन्दोलन का नेतृत्व किया। इसी वर्ष कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच लखनऊ समझौते का भी समर्थन किया। तिलक ने स्वराज की मांग को राष्ट्रीय आंदोलन का मुख्य लक्ष्य बनाया, स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलनों को लोकप्रिय बनाया। गणेश उत्सव और शिवाजी उत्सव के माध्यम से जनता में राष्ट्रीय चेतना जगाई। केसरी (मराठी) और मराठा (अंग्रेजी) समाचार पत्रों के माध्यम से ब्रिटिश शासन की आलोचना की और राष्ट्रवाद का प्रचार किया।

स्वदेशी का प्रचार

भारतीय वस्तुओं के उपयोग और स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इससे आर्थिक आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय एकता को बल मिला। तिलक ने धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों को सामाजिक एकता तथा राष्ट्रीय जागरण का माध्यम बनाया। उन्होंने लोगों को जाति, क्षेत्र और भाषा से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। स्वतंत्रता सेनानी तिलक का 1 अगस्त, 1920 को निधन हो गया। लेकिन उनके विचारों ने आगे चलकर महात्मा गांधी सहित अनेक नेताओं को प्रेरित किया। केसरी (मराठी) और मराठा (अंग्रेजी) समाचार पत्रों का प्रकाशन किया।

इन समाचार पत्रों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं, राष्ट्रीय चेतना और ब्रिटिश शासन की नीतियों पर जनता को जागरूक किया।

बहरहाल, हम यही कह सकते हैं कि बाल गंगाधर तिलक ने शिक्षा, पत्रकारिता, सामाजिक संगठन, सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्रीय चेतना के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने समाज को संगठित कर स्वतंत्रता आंदोलन के लिए मजबूत जनाधार तैयार किया। इसी कारण से उन्हें लोकमान्य की उपाधि से सम्मानित किया गया।

वर्षा ऋतु में खान-पान और हमारा पारंपरिक स्वास्थ्य विज्ञान

आचार्य ललित मुनि

हमारी परम्परा में जीवन पद्धति में भोजन केवल भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, ऋतु और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का माध्यम माना गया है। हमारे ऋषि-मुनियों और आयुवेर्दाचार्यों ने हजारों वर्षों के अनुभव के आधार पर यह सिद्ध किया कि प्रत्येक ऋतु के अनुसार भोजन में परिवर्तन करना चाहिए। आयुर्वेद में इसे ऋतुचर्या कहा गया है। इसका उद्देश्य शरीर के दोषों का संतुलन बनाए रखना तथा ऋतु परिवर्तन के कारण उत्पन्न होने वाले रोगों से रक्षा करना है। वर्षा ऋतु को आयुर्वेद में विशेष सावधानी का समय माना गया है। यह केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि शरीर की पाचन क्षमता, वातावरण और रोगों की प्रकृति में भी बदलाव का काल है। यदि इस समय खान-पान में सावधानी न बरती जाए तो अनेक प्रकार के संक्रमण, पाचन संबंधी विकार और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां जन्म लेने लगती हैं। वर्षा ऋतु में क्यों बदल जाता है शरीर का स्वभाव? ग्रीष्म ऋतु की तीव्र गर्मी के बाद जब वर्षा होती है, तब वातावरण में नमी बढ़ जाती है और सूर्य का प्रकाश कम हो जाता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस समय जठराग्नि अर्थात पाचन शक्ति मंद पड़ जाती है। भोजन पहले की अपेक्षा धीरे पचता है और शरीर रोगों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है। यही कारण है कि वर्षा ऋतु में दस्त, उल्टी, टाइफाइड, हैजा, वायरल संक्रमण तथा त्वचा संबंधी रोगों की संभावना बढ़ जाती है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मानता है कि वर्षा के मौसम में बैक्टीरिया, वायरस और फफूंद तेजी से पनपते हैं। दूषित जल और भोजन अनेक संक्रामक रोगों का कारण बनते हैं। इसलिए इस मौसम में केवल स्वाद नहीं, बल्कि भोजन की शुद्धता, ताजगी और पाचन क्षमता सबसे अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। पूर्वजों की दूरदर्शिताआज की तरह पहले हर मौसम में हर प्रकार की सब्जियां उपलब्ध नहीं होती थीं। इसलिए हमारे पूर्वज वर्षा ऋतु आने से पहले ही उसकी तैयारी कर लेते थे। ग्रीष्म ऋतु में गेहूं, चावल, दाल, गुड़, घी और अन्य आवश्यक खाद्य पदार्थ संग्रहित कर लिए जाते थे। इसी समय दाल की बड़ी, बिजौरी, पापड़, सूखी मिर्च, अमचूर, इमली तथा विभिन्न प्रकार के अचार तैयार किए जाते थे। अनेक क्षेत्रों में सब्जियों और पत्तेदार भाजियों को काटकर धूप में सुखाया जाता था। छत्तीसगढ़ में इन्हें सुखसी, सुखड़ी, सुखौंत, खोइला अथवा खेलरा जैसे नामों से जाना जाता है। मेथी, पालक, लाल भाजी, चौलाई और अन्य सागों को सुखाकर वर्षा ऋतु में उपयोग किया जाता था। मांसाहारी समुदाय भी मछली और मांस को सुखाकर सुरक्षित रखते थे ताकि वर्षा के दिनों में ताजा मांस पर निर्भर न रहना पड़े। यह केवल भोजन संग्रह की व्यवस्था नहीं थी, बल्कि मौसम के अनुकूल जीवन जीने की वैज्ञानिक पद्धति थी। वर्षा ऋतु में क्या खाना चाहिए? आयुर्वेद वर्षा ऋतु में हल्का, गर्म और ताजा भोजन करने की सलाह देता है। मूंग की दाल, पुराना चावल, गेहूं, जौ, सादा खिचड़ी, सूप तथा कम मसालों में बना हुआ भोजन आसानी से पचता है। भोजन में अदरक, काली मिर्च, जीरा, हींग, हल्दी और धनिया जैसे मसालों का सीमित उपयोग पाचन शक्ति को बढ़ाने में सहायक माना गया है। गुनगुना पानी पीना, उबला हुआ जल प्रयोग करना तथा भोजन ताजा बनाकर खाना इस ऋतु में विशेष लाभकारी माना गया है। गुड़, घी और सीमित मात्रा में देशी मसालों का प्रयोग शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है !

आरटीआई में सूचना न मिलने पर नागरिक ने उठाए पारदर्शिता पर सवाल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के उत्तम नगर स्थित आरजेड-3, इंदिरा पार्क, न्यू पंखा रोड स्थित संपत्ति से जुड़े मामले में सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के तहत मांगी गई जानकारी समय पर और पूर्ण रूप से उपलब्ध नहीं कराए जाने का मामला सामने आया है। आवेदक ने आरोप लगाया है कि संबंधित विभाग द्वारा बार-बार आवेदन और अपील के बावजूद आवश्यक अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, जिससे प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। आवेदक का कहना है कि उन्होंने संपत्ति से संबंधित अटैचमेंट आदेश, निरीक्षण रिपोर्ट, निर्माण संबंधी रिकॉर्ड, साइट प्लान, सीमांकन तथा अन्य विभागीय दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां मांगी थीं, लेकिन अधिकांश मामलों में थर्ड पार्टी इंफॉर्मेशन का हवाला देकर सूचना देने से इनकार कर दिया गया। उनका दावा है कि मांगी गई जानकारी सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा है और सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 2(एफ), 2(जे), 4(1)(बी) एवं 6 के तहत उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

शिकायत में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2022 तक संबंधित संपत्ति के संबंध में श्री मनीष लालवानी के नाम कोई अटैचमेंट नोटिस, कुर्की आदेश अथवा विभागीय कार्रवाई दर्ज नहीं थी। विभागीय रिकॉर्ड के अनुसार कार्रवाई केवल श्री एस.के. गुप्ता के विरुद्ध की गई थी। साथ ही यह भी दावा किया गया है कि वर्ष 2000 में संपत्ति विधिवत पंजीकृत विक्रय विलेख के माध्यम से खरीदी गई थी तथा वर्ष 2004-05 में उसका एक हिस्सा श्री एस.के. गुप्ता को बेचा गया। आवेदक ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2019 से 2023 के बीच दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर लगभग 100-100 वर्गगज के छह नए निर्माण किए गए, लेकिन विभागीय निरीक्षण रिपोर्टों में इनका समुचित उल्लेख नहीं किया गया। शिकायत के अनुसार विभाग यह स्पष्ट करने में भी असफल रहा है कि संपत्ति का कौन-सा हिस्सा, किस आदेश, किस तिथि और किस कानूनी आधार पर अटैच किया गया।

आवेदक ने यह भी दावा किया है कि वे वर्ष 2000 से नियमित रूप से हाउस टैक्स जमा कर रहे हैं और पिछले लगभग 26 वर्षों में उनके नाम कभी कोई अटैचमेंट नोटिस जारी नहीं किया गया। इसके बावजूद वर्तमान में संपत्ति के एक हिस्से को अटैच बताया जा रहा है, जबकि उससे संबंधित दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं।

इस मामले में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की विभिन्न धाराओं का हवाला देते हुए संबंधित लोक सूचना अधिकारी (ढक्ड) की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यदि जानबूझकर सूचना रोकी गई है या भ्रामक जानकारी दी गई है, तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अधिनियम की धारा 20 के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए।

आवेदक ने सक्षम प्राधिकारी एवं सूचना आयोग से मांग की है कि संबंधित विभाग को निर्देश देकर मांगी गई सभी सूचनाएं प्रमाणित प्रतियों सहित उपलब्ध कराई जाएं, अटैचमेंट से संबंधित आदेश, साइट प्लान, निरीक्षण रिपोर्ट, नोटशीट एवं अन्य अभिलेख सार्वजनिक किए जाएं तथा यह भी जांच कराई जाए कि कहीं किसी व्यक्ति या बिल्डर को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से तथ्य तो नहीं छिपाए गए। आवेदक का कहना है कि सूचना का अधिकार अधिनियम केवल सूचना प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन सुनिश्चित करने का संवैधानिक उपकरण है।**उन्होंने मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाए, ताकि नागरिकों का शासन व्यवस्था पर विश्वास बना रहे।

विभागीय कार्यप्रणाली की जांच की मांग
अवैध निर्माण, अटैचमेंट आदेश और विभागीय रिकॉर्ड सार्वजनिक करने की मांग
सूचना आयोग से हस्तक्षेप की अपील

द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया को वर्ष 2026-27 के लिए मिला नया नेतृत्व

द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएमएआई) की परिषद (काउंसिल) की 22 जुलाई, 2026 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में आयोजित बैठक में परिषद वर्ष 2026-27 के लिए नए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का निर्वाचन किया गया। संस्थान को विश्वास है कि नया नेतृत्व कॉस्ट एवं मैनेजमेंट अकाउंटेंसी पेशे को नई दिशा देने के साथ-साथ उत्कृष्टता, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के अपने संकल्प को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष सीएमए चित्तरंजन चट्टोपाध्याय संस्थान के फेलो सदस्य हैं और बैंकिंग क्षेत्र में 38 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव रखते हैं। वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (आईआईबीएफ) के सर्टिफिकेट एसोसिएट सदस्य हैं तथा एलएल.बी. के साथ-साथ लंदन (यूके) स्थित सीआईपीएफए से सीपीएफए (CPFA) की पेशेवर योग्यता भी प्राप्त कर चुके हैं।

वे वर्ष 2019-23 के दौरान संस्थान की परिषद के सदस्य रहे और वर्ष 2023-27 के लिए पुनः निर्वाचित हुए। इससे पूर्व वे वर्ष 2004-05 में ईस्टर्न इंडिया रीजनल काउंसिल (ईआईआरसी) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

अध्यक्ष चुने जाने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए सीएमए चित्तरंजन चट्टोपाध्याय ने कहा परिषद द्वारा मुझ पर जताए गए विश्वास के लिए मैं हृदय से आभारी हूँ। मैं सभी हितधारकों के साथ मिलकर संस्थान को और सशक्त बनाने, पेशे के सर्वोच्च मानकों को बनाए रखने तथा कॉस्ट एवं मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स को भारत की विकास यात्रा में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करूंगा। नवाचार, उत्कृष्टता और सहयोग के माध्यम से हम इस पेशे को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष सीएमए मनोज कुमार आनंद संस्थान के फेलो सदस्य हैं। वे वर्ष 2023-27 के लिए निर्वाचित परिषद सदस्य होने के साथ-साथ वर्ष 2024-27 के लिए सीएपीए (उअढअ) के पब्लिक सेक्टर एडवाइजरी ग्रुप (पीएसएजी) के सदस्य भी हैं। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में प्रिंसिपल एडवाइजर (कॉस्ट) के रूप में अपनी सेवाएँ दे चुके सीएमए आनंद को सार्वजनिक वित्त, कॉस्ट अकाउंटिंग और वित्तीय प्रबंधन के क्षेत्र में चार दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है। वे वर्ष 1997-98 तथा 2000-01 में संस्थान की नॉर्दर्न इंडिया रीजनल काउंसिल (एनआईआरसी) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

उपाध्यक्ष का दायित्व संभालने के बाद सीएमए मनोज कुमार आनंद ने कहा, संस्थान में इस महत्वपूर्ण दायित्व का निर्वहन करना मेरे लिए सम्मान की बात है।

मैं अध्यक्ष एवं परिषद के साथ मिलकर पेशे को और मजबूत बनाने, सभी हितधारकों के साथ बेहतर सहभागिता सुनिश्चित करने तथा सदस्यों और विद्यार्थियों के लिए नए अवसर सृजित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करूंगा। बदलती भारतीय अर्थव्यवस्था में कॉस्ट एवं मैनेजमेंट अकाउंटेंसी की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में हम सभी मिलकर प्रयास करेंगे।

संस्थान नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को हार्दिक बधाई देता है तथा विश्वास व्यक्त करता है कि उनके नेतृत्व में आईसीएमएआई पेशेवर उत्कृष्टता, सुशासन, सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन और देश के आर्थिक विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को और अधिक सशक्त बनाएगा।

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1,
New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

इको–फ्रेंडली प्लास्टिक पैकेजिंग से बढ़ेगी खाने की शेल्फ लाइफ, घटेगा प्रदूषण

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। आज के समय में खाने-पीने की चीजों को लंबे समय तक ताजा और सुरक्षित रखने में फूड पैकेजिंग की बहुत बड़ी भूमिका है। दूध, फल, सब्जियां, स्नैक्स या तैयार भोजन हर चीज को ऐसी पैकेजिंग की जरूरत होती है जो हवा और नमी से बचाकर उसकी गुणवत्ता बनाए रखे। लेकिन इसके लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बड़ी समस्या बन चुका है। यह वर्षों तक मिट्टी और पानी में पड़ा रहता है और आसानी से नष्ट नहीं होता। यही वजह है कि दुनिया भर के वैज्ञानिक ऐसे विकल्प तलाश रहे हैं जो भोजन को सुरक्षित रखने के साथ-साथ पर्यावरण को भी नुकसान न पहुंचाएं।

इसी दिशा में इंडोनेशिया के हसनुद्दीन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एंडी दिरपान और उनकी टीम ने एक नई तरह की बायोडिग्रेडेबल फूड पैकेजिंग फिल्म तैयार की है। यह फिल्म पौधों से बनने वाले प्लास्टिक पॉलीलैक्टिक एसिड (पीएलए) पर आधारित है। खास बात यह है कि इसमें मजबूती बढ़ाने के लिए माइक्रोक्रिस्टलाइन सेल्यूलोज (एमसीसी) और ऑक्सीजन को नियंत्रित करने के लिए ब्यूटाइलेटेड हाइड्रॉक्सीटोल्यून (बीएचटी) का इस्तेमाल किया गया है। इस शोध को 5 मई 2026 को ऑनलाइन प्रकाशित किया गया और मार्च 2027 में आसियान जर्नल फॉर साइंस एंड इंजीनियरिंग इन मैटेरियल्स के वॉल्यूम 6 में प्रकाशित किया जाएगा।

दूध, फल, सब्जियां, स्नैक्स या तैयार भोजन हर चीज को ऐसी पैकेजिंग की जरूरत होती है जो हवा और नमी से बचाकर उसकी गुणवत्ता बनाए रखे। लेकिन इसके लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला प्लास्टिक पर्यावरण के लिए बड़ी समस्या बन चुका है

सामान्य तौर पर पीएलए को पर्यावरण-अनुकूल प्लास्टिक माना जाता है क्योंकि यह प्राकृतिक स्रोतों से बनता है और समय के साथ नष्ट भी हो जाता है। लेकिन इसकी सबसे बड़ी कमी यह है कि यह सामान्य प्लास्टिक जितना मजबूत नहीं होता और ऑक्सीजन को भी उतनी अच्छी तरह नहीं रोक पाता। ऑक्सीजन के संपर्क में आने से खाने की चीजें जल्दी खराब होने लगती हैं। इसलिए वैज्ञानिक लंबे समय से ऐसा तरीका खोज रहे थे जिससे पीएलए की मजबूती भी बढ़े और वह ऑक्सीजन को भी बेहतर तरीके से नियंत्रित कर सके।

इस शोध का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि इसमें प्रयुक्त सेल्यूलोज को लकड़ी या पारंपरिक फसलों के बजाय, फर्मेंटेड (किण्वित) नारियल पानी से तैयार किया गया है। यह वही प्रक्रिया है, जिसके ज़रिए 'नाटा डी कोको' नामक जेलीनुमा खाद्य पदार्थ बनाया जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान बैक्टीरिया पूरी तरह शुद्ध और रेशेदार सेल्यूलोज का निर्माण करते हैं। वैज्ञानिकों ने इस सेल्यूलोज को परिष्कृत (साफ) करके 'माइक्रोक्रिस्टलाइन सेल्यूलोज' (एमसीसी) पाउडर में बदला और फिर इसे पीएलए फिल्म में मिलाया। इस फिल्म को तीन बारीक परतों में तैयार किया गया, जबकि बीएचटी को केवल भीतर की दो परतों में रखा गया ताकि वह सीधे भोजन के संपर्क में रहकर ऑक्सीजन के प्रभाव को नियंत्रित कर सके।

शोधकर्ताओं ने एमसीसी की अलग-अलग मात्रा मिलाकर कई प्रकार की फिल्मों का परीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नारियल पानी से निर्मित एमसीसी की तुलना बाजार में उपलब्ध सामान्य एमसीसी से भी की। परिणामों से स्पष्ट हुआ कि जैसे-जैसे एमसीसी की मात्रा बढ़ाई गई, फिल्म की मजबूती में वृद्धि होती गई और उससे ऑक्सीजन का रिसाव (पारगम्यता) भी कम होता गया।

माइक्रोस्कोपिक जांच में सामने आया कि नारियल पानी से बने एमसीसी वाली फिल्म की संरचना अत्यधिक सुगठित, समान और त्रुटिहीन थी। वैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसा इसलिए संभव हुआ क्योंकि बैक्टीरिया द्वारा तैयार सेल्यूलोज कहीं अधिक शुद्ध और उच्च रेशेदार गुणवत्ता वाला था। यही कारण है कि इसने बाजार में मिलने वाले सामान्य एमसीसी की तुलना में बेहतर परिणाम दिए। पर्यावरण के लिहाज से भी इस नई पैकेजिंग ने अच्छे परिणाम दिए।

यादों में आजाद : चंद्रशेखर आजाद ऐसे बने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अजेय योद्धा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। 15 वर्ष के एक साधारण से दिखने वाले बच्चे को जब ब्रिटिश मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, तो उसके निर्भीक उत्तरों ने भारतीय इतिहास की दिशा ही बदल दी। यह घटना 1921 के असहयोग आंदोलन के दौरान की है। ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार, जब मजिस्ट्रेट ने उस बच्चे से उसका नाम पूछा, तो उसने निडरता से अपना नाम 'आजाद', पिता का नाम 'स्वतंत्र', और अपना पता 'जेल' बताया। सजा के तौर पर जब उसके शरीर पर 15 कोड़े बरसाए गए, तो हर कोड़े की मार पर दर्द से कराहने के बजाय उस बच्चे ने 'भारत माता की जय' का उद्घोष किया। इसी अदम्य साहस ने चंद्रशेखर तिवारी को हमेशा के लिए 'चंद्रशेखर आजाद' बना दिया। यह उनके जीवन का वह निर्णायक मोड़ था, जिसने एक युवा छात्र को सशस्त्र क्रांति के महानायक में परिवर्तित कर दिया।

चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश की अलीराजपुर रियासत के भाबरा गांव में सीताराम तिवारी और जगरानी देवी के घर हुआ था

चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश की अलीराजपुर रियासत के भाबरा गांव में सीताराम तिवारी और जगरानी देवी के घर हुआ था। अत्यंत साधारण ब्राह्मण परिवार में जन्मे चंद्रशेखर आजाद का प्रारंभिक जीवन संघर्षपूर्ण रहा। आजीविका की तलाश में उन्होंने कुछ समय बंबई (अब मुंबई) में एक मजदूर के रूप में भी काम किया, जहां वे जहाजों से माल उतारने का काम करते थे। बाद में मुफ्त शिक्षा और भोजन की सुविधा के कारण वे बनारस आ गए और एक संस्कृत विद्यालय में दाखिला लिया, जहां से उनकी राजनीतिक चेतना का वास्तविक विकास हुआ।

1922 में जब महात्मा गांधी ने चौरीचौरा की हिंसक घटना के कारण अचानक असहयोग आंदोलन वापस ले लिया, तो युवा आजाद को गहरी निराशा हुई। शांतिपूर्ण और अहिंसक मार्ग से उनका मोहभंग हो गया और उन्होंने राम प्रसाद बिस्मिल तथा शचींद्रनाथ सान्याल के नेतृत्व वाले हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचआरए) का दामन थाम लिया। आजाद जल्द ही एचआरए के प्रमुख रणनीतिकार और योद्धा बन गए। 1925 की प्रसिद्ध काकोरी ट्रेन डकैती में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहां से ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ क्रांति के लिए संसाधन जुटाए गए थे। जब इस घटना के बाद राम प्रसाद बिस्मिल और अशफाकउल्ला खान जैसे शीर्ष नेताओं को फांसी दे दी गई, तो आजाद ही एकमात्र ऐसे प्रमुख नेता थे जो अपनी चतुराई से पुलिस की पकड़ से बचने में पूरी तरह सफल रहे।

त्रिपुरा में सदियों पुरानी 'खारची पूजा' शुरू

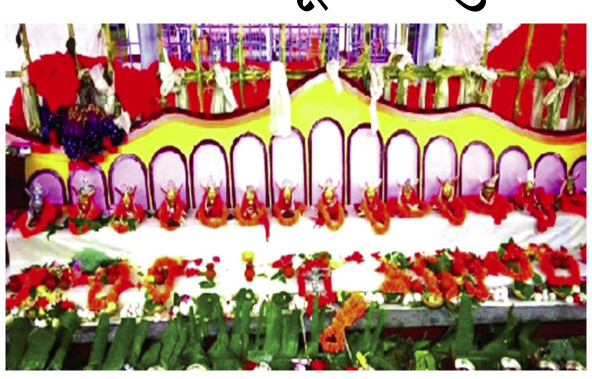

अगरतला, 22 जुलाई (एजेंसियां)। त्रिपुरा की सदियों पुरानी परंपराओं, भव्य धार्मिक अनुष्ठानों और रंगारंग आयोजनों के बीच ऐतिहासिक खारची पूजा बुधवार से शुरू हो गई। यह पूजा राज्य की पूर्व रियासत त्रिपुरा की पुरानी राजधानी पुरान हवेली (वर्तमान खयरपुर) में आयोजित की जा रही है, जो अगरतला से लगभग 8 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने अन्य गणमान्य लोगों के साथ सात दिवसीय मेले और खारची पूजा का उद्घाटन किया। इस दौरान राज्य के सबसे श्रद्धेय और अनोखे धार्मिक आयोजनों में से एक में 14 देवताओं की एक साथ पूजा की जाती है। देश के विभिन्न हिस्सों से लाखों श्रद्धालुओं और पर्यटकों के इस सप्ताहभर चलने वाले मेले और सदियों पुराने उत्सव में शामिल होने की उम्मीद है। यह आयोजन पारंपरिक रीति-रिवाजों, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच शुरू हुआ।

यह पूजा राज्य की पूर्व रियासत त्रिपुरा की पुरानी राजधानी पुरान हवेली (वर्तमान खयरपुर) में आयोजित की जा रही है

मान्यता है कि खारची पूजा और उससे जुड़ा मेला मनुष्यों के पापों के शुद्धिकरण का प्रतीक है। खारची पूजा एवं मेला समिति के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री रतन चक्रवर्ती ने कहा कि हर साल देशभर से लाखों श्रद्धालु और पर्यटक इस अनोखे उत्सव में शामिल होते हैं। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष चक्रवर्ती ने उम्मीद जताई कि यदि मौसम अनुकूल रहा तो इस बार श्रद्धालुओं की संख्या पिछले वर्ष से अधिक होगी। उन्होंने बताया कि हरित त्रिपुरा के निर्माण के उद्देश्य से इस वर्ष खारची उत्सव की थीम 'एक पेड़, मां के नाम' रखी गई है। इसके तहत सात दिनों तक चलने वाले मेले में आने वाले लोगों को सरकारी पहल के तहत विभिन्न प्रजातियों के पौधे नि:शुल्क वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश बांग्लादेश की मौजूदा परिस्थितियों के कारण इस बार सीमा पार से आने वाले आगंतुकों की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में कम रह सकती है।

जब मशीनें सोचना शुरू कर देंगी, तो इंसान को किन सवालों के जवाब देने होंगे?

बीजिंग, 22 जुलाई (एजेंसियां)। इतिहास में, हर तकनीकी क्रांति ने मानवीय क्षमताओं के प्रदर्शन और मानवता की परिभाषा में एक नया आयाम जोड़ा है। लेकिन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता इससे कहीं अधिक गहरा बदलाव लाती है। यह अब केवल वास्तविकता को दर्ज नहीं करती, बल्कि उसका पूर्वानुमान भी लगाने लगी है।

यह अब केवल दुनिया की मौजूदा स्थिति को ही नहीं दर्शाती, बल्कि भविष्य की संभावनाओं को सामने आने से पहले ही व्यवस्थित करने लगी है। इस अर्थ में, भविष्यवाणी अब केवल भविष्य के संभावित परिणामों का वर्णन नहीं रह गई है, बल्कि यह एक ऐसी शक्ति बन गई है जो आने वाले समय को सक्रिय रूप से आकार देती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ा सबसे गहरा सवाल यह नहीं है कि मशीनें इंसानों की तरह सोच सकती हैं या नहीं, बल्कि यह है कि उनके निर्णयों को किस प्रकार का अधिकार प्राप्त होने लगा है। यह अधिकार कौन प्रदान करता है? कौन इसकी जवाबदेही तय करता है? और अंततः, यह मानवता के लिए किस प्रकार का भविष्य निर्मित करेगा?

भविष्यवाणी अब केवल भविष्य के संभावित परिणामों का वर्णन नहीं रह गई है, बल्कि यह एक ऐसी शक्ति बन गई है जो आने वाले समय को सक्रिय रूप से आकार देती है

सीजीटीएन के एक वैश्विक ऑनलाइन सर्वेक्षण के मुताबिक 85.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का तीव्र विकास वैश्विक सुरक्षा और शासन के लिए नई चुनौतियाँ पैदा कर रहा है।

92.6 प्रतिशत ने चिंता व्यक्त की कि डीपफेक और एआई द्वारा उत्पन्न गलत सूचनाएं सामाजिक विश्वास की नींव को ही कमजोर कर सकती हैं, जबकि 87.8 प्रतिशत ने आशंका जताई कि तकनीकी बाधाएं और 'डिजिटल दीवारें' वैश्विक वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग को खंडित कर सकती हैं। ये निष्कर्ष बताते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा उत्पन्न चुनौतियां लंबे समय से प्रौद्योगिकी तक ही सीमित नहीं हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में वैश्विक शासन को मजबूत करना और व्यापक अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाना साझा अनिवार्यता बन गई है।

'मिर्जापुर: द फिल्म' को लेकर श्वेता त्रिपाठी बोलीं- 'गोलू गुप्ता का सफर मेरे कॅरियर का सबसे खास अनुभव'

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। लंबे समय से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही 'मिर्जापुर' फ्रेंचाइजी अब ओटीटी की दुनिया से निकलकर बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है। 'मिर्जापुर: द फिल्म' में एक बार फिर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने लोकप्रिय किरदार गोलू गुप्ता के रूप में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज से पहले अभिनेत्री ने अपने किरदार की यात्रा, फ्रेंचाइजी से जुड़े अनुभव और दर्शकों के प्यार को लेकर कई बातें साझा की।

उन्होंने बताया कि गोलू का किरदार समय के साथ काफी बदल गया है और एक ऐसी लड़की से एक मजबूत महिला तक का सफर तय कर चुका है, जो सही और गलत की समझ से आगे बढ़ते हुए ताकत, दर्द, बदले और महत्वाकांक्षा जैसी भावनाओं से गुजरती है। श्वेता त्रिपाठी ने कहा, ''जब हमने करीब आठ साल पहले मिर्जापुर की शूटिंग शुरू की थी, तब हममें से किसी ने नहीं सोचा था कि यह सफर इतना लंबा और खास होगा। एक कलाकार के तौर पर आप हमेशा चाहते हैं कि आपका काम लोगों तक पहुंचे, लेकिन बहुत कम ऐसा होता है जब कोई शो लोगों की बातचीत, मीम्स, सेलिब्रेशन और उनकी भाषा का हिस्सा बन जाए। मिर्जापुर ने यह कर दिखाया।'' उन्होंने कहा, ''इस फ्रेंचाइजी ने कलाकारों को ऐसी पहचान दी, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। दर्शकों ने सिर्फ कहानी को पसंद नहीं किया, बल्कि इसके किरदारों से गहरा जुड़ाव महसूस किया। लोग मुझे आज भी मेरे असली नाम से ज्यादा गोलू दीदी के नाम से पहचानते हैं।'' फिल्म के रूप में 'मिर्जापुर' के विस्तार को लेकर श्वेता ने कहा, ''यह सिर्फ एक सीरीज को बड़े पर्दे पर लाने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह उन दर्शकों के प्यार का नतीजा है, जिन्होंने कई सालों तक इस कहानी और किरदारों को अपना माना। हर सीजन के बाद लोग और कहानी देखना चाहते थे, किरदारों पर चर्चा करते थे और अपनी-अपनी थ्योरी बनाते थे। कई मायनों में यह फिल्म जितनी हमारी है, उतनी ही दर्शकों की भी है।''

श्वेता त्रिपाठी ने अपने किरदार गोलू गुप्ता के बदलाव को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, ''गोलू का सफर बेहद भावनात्मक रहा है। शुरुआत में गोलू एक ऐसी लड़की थी, जो सही और गलत की अपनी समझ के साथ आगे बढ़ती थी, लेकिन परिस्थितियों ने उसे धीरे-धीरे बदल दिया।

'ऑपरेशन सफेद सागर' में अपने किरदार को दीया मिर्जा ने बताया खास, कहा एयरफोर्स परिवारों की हिम्मत ने दी प्रेरणा

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। अभिनेत्री दीया मिर्जा जल्द ही एक ऐसी कहानी के साथ आ रही हैं, जो भारतीय वायुसेना के साहस, जज्बे और परिवारों के अनकहे संघर्षों को सामने लाएगी। वह आने वाली वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में कमलप्रीत कौर धनोआ का किरदार निभाती नजर आएंगी। सीरीज के ट्रेलर लॉन्च के दौरान दीया ने अपने किरदार और उससे जुड़ी भावनाओं को लेकर खुलकर बात की।

उन्होंने बताया कि एयरफोर्स अधिकारियों की पत्नियों की मजबूती, धैर्य और उनके अनकहे बलिदानों ने उन्हें इस भूमिका को निभाने के लिए प्रेरित किया। दीया मिर्जा ने कहा कि कमलप्रीत कौर धनोआ का किरदार इस कहानी में एक मजबूत आधार की तरह है। वह ऐसी महिला हैं, जो उस समय एयरफोर्स अधिकारियों की पत्नियों का हौसला बनाए रखने का काम करती हैं, जब उनके पति देश की सेवा के लिए मिशन पर होते हैं।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए दीया मिर्जा ने कहा, ''मेरा किरदार कहानी में एक एंकर की तरह है। वह ऐसी शख्सियत हैं, जिन्होंने महिलाओं को एक साथ रखा और उन्हें एक ताकत के रूप में जोड़ा। जब उनके पति मिशन पर थे, तब उनके लिए और बाकी महिलाओं के लिए उस परिस्थिति को जीना क्या मायने रखता था, यह कहानी का अहम हिस्सा है।'' दीया ने बताया, 'एयरफोर्स परिवारों की जिंदगी को समझना आसान नहीं है। जो महिलाएं एयरफोर्स में शादी करके आती हैं, उन्हें भी शुरुआत में यह पूरी तरह नहीं पता होता कि आने वाला जीवन कैसा होगा। भले ही वे कई कहानियां सुनती हैं, लेकिन असली परिस्थितियों का सामना करने के लिए खुद को पूरी तरह तैयार करना मुश्किल होता है।' दीया मिर्जा ने कहा, 'इस किरदार से मुझे निजी जिंदगी में भी काफी सीख मिली। एक पत्नी, महिला और मां के रूप में मुझे इस बात का एहसास हुआ कि एयरफोर्स परिवारों की महिलाएं कितनी मजबूत होती हैं। इस कहानी से जुड़ी सबसे बड़ी सीख यह रही कि एयरफोर्स परिवार की पत्नियां अपने पति को हर दिन मुस्कुराकर विदा करती हैं, भले ही पिछली रात उनके बीच कोई बहस ही क्यों न हुई हो। यह बात सुनने में जितनी सरल लगती है, असल जिंदगी में उतनी ही भावनात्मक और चुनौतीपूर्ण है।'‹उन्होंने कहा, ''यह एक बहुत मजबूत भावना है। यह सोचकर डर भी लगता है, लेकिन यह उनकी जिंदगी की सच्चाई है। हम शायद कभी पूरी तरह नहीं समझ सकते कि वे किस दौर से गुजरते हैं, लेकिन हम कोशिश जरूर कर सकते हैं।

औषधीय गुणों से भरपूर स्वास्थ्य के लिए वरदान कढ़ी पत्ता

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। कढ़ी पत्ता में कई प्रकार के औषधीय गुण होते हैं, जो कि स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। इसे मीठी नीम के नाम से भी जाना जाता है। इसका प्रयोग दक्षिणी भारत में किया जाता था, आजकल यह हर रसोई घर में मसाले के रूप में प्रयोग किया जाता है। मीठी नीम का प्रयोग भोजन का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है।

यह पत्ता खाने के स्वाद को तो बढ़ाता है, साथ ही यह हमारे शरीर को कई प्रकार की बीमारियों से भी दूर रखने में मदद करता है। इसमें लोहा, कैल्शियम, फास्फोरस और कई प्रकार के विटामिन्स होते हैं जो कि शरीर को एनीमिया, हाई बीपी, मधुमेह आदि रोगों से बचाने में मदद करते हैं। इसके अलावा करी पत्ते में विटामिन B2, B6 और B9 की भरपूर मात्रा होती है जिससे हमारे बाल काले, घने और मजबूत बनते हैं।

कड़ी पत्ता बालों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। कड़ी पत्ते का प्रयोग हमारे बालों की जड़ो को मजबूत बनाने, काला बनाने, झड़ने से रोकने और बालों को रूसी से बचाने में भी किया जाता है। करी पत्तों से हेयर टॉनिक बनाने के लिए करी पत्तों को इतना उबाल लें कि वह पानी में घुल जाएँ व पानी का रंग हरा हो जाएँ। इस टॉनिक को 15-20 मिनट तक अपने सिर पर लगाएँ। हफ्ते भर में 2 बार इससे बालों की मसाज करने से बालो को काफी फायदा पहुचता है। इसके अलावा, आधा कप करी पत्तों को दही के साथ पीस लें व उस मिश्रण को अपने बालों पर लगाए, व कुछ मिनट के बाद धो लें।

इसे मीठी नीम के नाम से भी जाना जाता है

यह हमारे वजन को भी कम करने में सहायक होता है। करी पत्ते में मौजूद फाइबर की मात्रा, हमारे शरीर में जमा अतिरिक्त वसा और विषाक्त पदार्थो को बाहर निकालने में मदद करती है। हर दिन करी पत्ता खाने से वज़न घटता है और कोलेस्ट्रोल कम होता है। इसलिए अगली बार आप प्लेट में करी पत्ता न छोड़कर चबाकर खायें और आसानी से वज़न घटायें।

कड़ी पत्ते में हमारे शरीर के ब्लड कोलेस्ट्रॉल को कम करने का गुण होता है। जिससे हम दिल की बीमारियों से दूर रह सकते हैं। शायद आप जानते हैं कि शरीर के ऑक्सीडेटिव कोलेस्ट्रॉल, खराब कोलेस्ट्रॉल को बनाने में मदद करते हैं जिससे हार्ट अटैक का ख़तरा बढ़ जाता है। कड़ी पत्ते में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो कि कोलेस्ट्रॉल का ऑक्सीकरण होने से रोक देते हैं जिससे शरीर में खराब कोलेस्टरॉल की मात्रा बढ़ नहीं पाती है।

एनीमिया, शरीर में सिर्फ खून की कमी के कारण नहीं होता है। बल्कि जब शरीर में आयरन को सोखने और इसका सही तरह से इस्तेमाल करने की शक्ति कम हो जाती है तब भी हमें एनीमिया होने का ख़तरा बढ़ जाता है। इस रोग से निजाद पाने के लिए करी पत्ता बहुत ही फायदेमंद होता है। कड़ी पत्ते में कई प्रकार के एंटी-डायबिटीक एजेंट होते हैं जो कि शरीर में इंसुलिन की गतिविधि को प्रभावित कर ब्लड से शुगर के स्तर को कम करने में मदद करते हैं।

तनावमुक्त जीवन और बेहतर एकाग्रता के लिए करें उत्थित पार्श्वकोणासन योगासन

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। आज की व्यस्त जीवनशैली में शारीरिक संतुलन और आंतरिक ऊर्जा को बनाए रखना एक चुनौती बन गया है। ऐसी स्थिति में उत्थित पार्श्वकोणासन एक ऐसा योगासन है, जो शरीर को ताजगी प्रदान करता है।

उत्थित का अर्थ है, खिंचाव, पार्श्व का अर्थ बगल और कोण का अर्थ एंगल हैं। यह एक ऐसा आसन है जिसमें शरीर के पार्श्व (साइड) भाग में एक संपूर्ण और सुंदर पार्श्व-कोण बनता है। यह न केवल हमारी शारीरिक शक्ति और लचीलेपन को बढ़ाता है, बल्कि मन में स्थिरता और एकाग्रता भी लाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, उत्थित पार्श्वकोणासन (विस्तारित पार्श्व कोण मुद्रा) खड़े होकर किए जाने वाले योगासनों में से एक सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक आसन है, जो पेट के अंगों की मालिश करता है, पाचन में सुधार लाता है, और पैरों व रीढ़ को मजबूत करता है। इसके अलावा, शरीर में लचीलापन भी बढ़ता है और रीढ़ की हड्डी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथ ही, यह छाती के विकास और साइटिका के दर्द में राहत दिलाता है। हालांकि, अगर कोई व्यक्ति साइटिका से ज्यादा परेशान है, तो वे सबसे पहले डॉक्टर से सलाह करें।

इसको करना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर दोनों पैरों को एक दूसरे से दूर फैला लें। अब दाहिने पैर के पंजे को बाहर की तरफ घुटने से धीरे-धीरे मोड़ें और उसी मुद्रा में नीचे की ओर बैठें। फिर अपने दाएं हाथ को दाएं पैर के पास जमीन पर रखें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा 90 डिग्री के एंगल में रखने की कोशिश करें। कुछ देर इसी मुद्रा में रहने की कोशिश करें, फिर धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। हालांकि, शुरुआती अभ्यासकर्ताओं को इसको करने में थोड़ी दिक्कत हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे आदत हो जाएगी और शरीर खुलने लगेगा।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

इंडिगो	3.57 प्रतिशत
इंफोसिस	1.97 प्रतिशत
भारतीय स्टेट बैंक	1.81 प्रतिशत
अल्ट्राटेक सीमेंट	1.80 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	1.50 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,41,264
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,16,637
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	97.58	94.50
पौड स्टर्लिंग	132.22	127.60
यूरो	112.21	108.05
चीन युआन	15.13	13.41

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

भारत-नेपाल व्यापार संबंधों में बड़ी उपलब्धि

कोलकाता पोर्ट से बिराटनगर पहुंचा कैनोला का पहला शिपमेंट

■ लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में मदद करेंगी क्रॉस-बॉर्डर कार्गो ट्रेन सेवाएं

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-नेपाल के बीच व्यापारिक संबंध तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और इसी कड़ी में कोलकाता पोर्ट से भारत के जोगबानी इंडियन कस्टम यार्ड के जरिए कैनोला के दाने का पहला शिपमेंट नेपाल के बिराटनगर में मौजूद कस्टम यार्ड पहुंच गया है।

नेपाल में मौजूद भारतीय दूतावास ने इसे भारत-नेपाल के बीच व्यापारिक संबंध बड़ी उपलब्धि बताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया कि 20 जुलाई 2026 को कोलकाता पोर्ट से भारतीय कस्टम यार्ड, जोगबनी के रास्ते कैनोला अनाज की पहली खेप नेपाल के बिराटनगर स्थित कस्टम यार्ड पहुंची। यह नेपाल-भारत ट्रांजिट संधि के प्रोटोकॉल में संशोधन संबंधी लेटर ऑफ एक्सचेंज पर नवंबर 2025 में हस्ताक्षर होने का परिणाम है।

पोस्ट में आगे कहा गया कि क्रॉस-बॉर्डर कार्गो ट्रेन सेवाएं लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में मदद करेंगी और भारत-नेपाल के बीच व्यापार को और बढ़ावा देंगी। पिछले वर्ष नेपाल-भारत ट्रांजिट संधि के प्रोटोकॉल में संशोधन के बाद नेपाल को बिराटनगर एकीकृत जांच चौकी (आईसीपी) के माध्यम से बल्क और कंटेनर दोनों प्रकार की रेल माल ढुलाई सेवाओं का उपयोग करने की अनुमति मिली थी। इसके बाद भारतीय सहयोग से निर्मित बिराटनगर आईसीपी पर पहली बार सीधे मालगाड़ी पहुंची है। बिराटनगर कस्टम्स कार्यालय के मुख्य सीमा शुल्क अधिकारी उमेश श्रेष्ठ ने कहा कि स्वस्तिक ऑयल इंडस्ट्रीज के लिए कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल होने वाले कैनोला अनाज से भरे 40 कंटेनरों वाली मालगाड़ी सोमवार को आईसीपी पहुंची।

यह खेप कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीओएनसीओआर) द्वारा संचालित मालगाड़ी से लाई गई। सभी कंटेनरों में इलेक्ट्रॉनिक कार्गो ट्रैकिंग सिस्टम (ईसीटीएस) लगाया गया था, जिससे पूरे मार्ग के दौरान माल की निगरानी की जा सकी। नेपाल के कोलकाता स्थित महावाणिज्य दूतावास ने पहले जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया था कि यह मालगाड़ी 17 जुलाई को कोलकाता बंदरगाह से रवाना हुई थी। इसमें 40 उच्च क्षमता वाले कंटेनर थे, जिन्हें बिराटनगर आईसीपी स्थित कस्टम्स यार्ड तक पहुंचाया गया।

भारत में एप्पल की बिक्री में आईफोन 17 सीरीज का दबदबा

■ दूसरी तिमाही में कुल शिपमेंट में 44 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली। एप्पल की आईफोन 17 सीरीज ने 2026 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत में कंपनी के सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन लाइनअप के रूप में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। बुधवार को जारी साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) की रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान एप्पल के कुल आईफोन शिपमेंट में आईफोन 17 सीरीज की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत रही। रिपोर्ट के अनुसार, आईफोन 16 सीरीज 40 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरे स्थान पर रही। वहीं आईफोन 17ई का योगदान 6 प्रतिशत रहा, जबकि आईफोन 16ई की हिस्सेदारी 5 प्रतिशत दर्ज की गई। इसके अलावा, पुरानी आईफोन 15 सीरीज भी बाजार में अपनी मौजूदगी बनाए रखने में सफल रही और कुल शिपमेंट में इसकी हिस्सेदारी 4 प्रतिशत रही। सीएमआर के इंडस्ट्री रिसर्च ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट प्रभु राम ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही आमतौर पर एप्पल के लिए अपेक्षाकृत धीमी रहती है, क्योंकि कंपनी अपनी अगली पीढ़ी की आईफोन सीरीज लॉन्च करने की तैयारी करती है। इस साल कंपनी को मेमोरी सप्लाई से जुड़ी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा, जिससे कुल शिपमेंट प्रभावित हुए।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने लॉन्च किया 'सीज़न ऑफ डायमंड्स'

MALABAR GOLD & DIAMONDS

मुंबई 22 जुलाई (एजेंसियां)। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने 'सीज़न ऑफ डायमंड्स' की शुरुआत की है। प्राकृतिक हीरों की बेमिसाल खूबसूरती को समर्पित इस विशेष पहल के तहत ग्राहकों के लिए लग्ज़री, भरोसे और बेहतरीन वैल्यू का शानदार अनुभव पेश किया गया है। इस दौरान ब्रांड के प्राकृतिक हीरों से बने खूबसूरत आभूषणों का विशेष कलेक्शन उपलब्ध है, जिसमें रिंग्स, ईयररिंग्स, नेकलेस, बैंगल्स, पेंडेंट सेट्स और पारंपरिक शिल्पकला से प्रेरित शानदार ज्वेलरी डिज़ाइन शामिल हैं। बेहतरीन शिल्पकारी और कालातीत सुंदरता को पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए तैयार किए गए 'सीज़न ऑफ डायमंड्स' के तहत प्राकृतिक हीरे के आभूषण खरीदने का विशेष अवसर उपलब्ध है, जिसमें डायमंड वैल्यू पर 30% तक की आकर्षक छूट दी जा रही है। इसमें आधुनिक और क्लासिक डिज़ाइनों का एक विशेष चयन शामिल है, जो परिष्कृत शैली को रोज़मर्रा के उपयोग और विशेष अवसरों के अनुरूप सहजता से प्रस्तुत करता है। आकर्षक विज़ुअल्स और प्रभावशाली प्रस्तुति के साथ 'सीज़न ऑफ डायमंड्स' प्राकृतिक हीरों को अधिक सुलभ बनाने की मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है, साथ ही विभिन्न पीढ़ियों के बीच उनकी स्थायी लोकप्रियता को और मजबूत करता है। इस अभियान पर टिप्पणी करते हुए मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम. पी. अहमद ने कहा, 'प्राकृतिक हीरे कालातीत धरोहर हैं, जो सुंदरता, उत्कृष्ट शिल्पकारी और भावनात्मक महत्व का प्रतीक हैं।

सोने-चांदी में उछाल, तनाव के बीच सुरक्षित निवेश की बढ़ी मांग

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को एक प्रतिशत से अधिक की तेजी देखी गई। इसकी वजह मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच सुरक्षित निवेश की मांग बढ़ना है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त 2026 का कॉन्ट्रैक्ट अपनी पिछली क्लोजिंग 1,42,883 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,44,852 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। सुबह 9:47 पर यह 1,517 रुपए या 1.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,44,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,44,311 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,44,883 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर बनाया है और दिखाता है कि खुलने के बाद सोने एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है।

चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,23,779 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,26,568 रुपए प्रति किलो पर खुला। फिलहाल यह 2,259 रुपए या 1.01 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,26,038 रुपए प्रति किलो पर खुला। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,25,885 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,26,892 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है।

जानकारों ने कहा कि इस तेजी की वजह अमेरिका-ईरान में तनाव के कारण सुरक्षित निवेश की मांग फिर से बढ़ना है।

देश भर में जारी हुए 77 लाख से अधिक वार्षिक फास्टैग पास : सरकार

■ नेशनल हाईवे पर दर्ज हुए 63 करोड़ ट्रांजैक्शन्स

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। देश में इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (ईटीसी) व्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। केंद्र सरकार ने राज्यसभा में बताया कि जून 2026 तक 77 लाख से अधिक वार्षिक फास्टैग पास जारी किए जा चुके हैं। इन पासों के माध्यम से नेशनल हाईवे के टोल प्लाजा पर 63 करोड़ से अधिक ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए हैं।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राज्यसभा में लिखित जवाब में बताया कि वर्तमान में कार, जीप और वैन श्रेणी के वाहनों द्वारा किए जाने वाले कुल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (ईटीसी) लेनदेन में लगभग 33 प्रतिशत हिस्सेदारी वार्षिक फास्टैग पास की है। उन्होंने कहा कि इस योजना से टोल संचालन अधिक कुशल हुआ है और सड़क उपयोगकर्ताओं की यात्रा पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक बनी है। मंत्री ने बताया कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने टोल शुल्क से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए कई शिकायत निवारण व्यवस्थाएं विकसित की हैं। इसके अलावा टोल शुल्क संग्रह में पारदर्शिता और संचालन की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने फास्टैग-आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम लागू किया है। सरकार के अनुसार, वर्तमान में नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (एनईटीसी) कार्यक्रम के तहत नेशनल हाईवे पर होने वाले कुल टोल शुल्क संग्रह का करीब 98 प्रतिशत फास्टैग के माध्यम से किया जा रहा है।

सार संक्षेप

बायर ने कपास की फसल के लिए नया कीटनाशक 'ट्रांस' लॉन्च किया

नई दिल्ली। कृषि क्षेत्र की वैश्विक कंपनी बायर ने कपास की फसल को प्रमुख कीटों से बचाने के लिए नया कीटनाशक 'ट्रांस' लॉन्च किया है। कंपनी का दावा है कि यह उत्पाद माहू, जैसिड (हरा फुदका) और सफेद मक्खी के निम्फ जैसे कीटों के प्रभावी नियंत्रण में मदद करेगा, जिससे फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में सुधार होगा। बायर के अनुसार, यह नया कीटनाशक लंबे समय तक फसल की सुरक्षा प्रदान करने के साथ पौधों को स्वस्थ बनाए रखने में भी सहायक है। कंपनी का कहना है कि इसके उपयोग से बार-बार कीटनाशक के छिड़काव की आवश्यकता कम हो सकती है, जिससे किसानों की लागत घटाने और लाभप्रदता बढ़ाने में मदद मिलेगी। बायर क्रॉप साइंस (भारत) के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर मोहन बाबू ने कहा कि कपास की खेती में रस चूसने वाले कीट किसानों के लिए लगातार बड़ी चुनौती बने हुए हैं। ऐसे में कंपनी ने किसानों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह नया समाधान विकसित किया है, जो प्रभावी कीट नियंत्रण के साथ बेहतर फसल स्वास्थ्य और अधिक उत्पादकता में सहायक होगा।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने स्लाविया मोंटे कार्लो के कलर पैलेट का विस्तार किया

नोएडा। स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी स्लाविया रेंज का विस्तार करते हुए स्लाविया मोंटे कार्लो के लिए दो नए विशेष रंग विकल्प - शिमला ग्रीन और स्टील ग्रे पेश किए हैं। ये दोनों रंग आकर्षक ड्यूल-टोन फिनिश में उपलब्ध हैं। केवल 200 यूनिट तक सीमित, स्लाविया मोंटे कार्लो के ये विशेष रंग संस्करण सेडान के गतिशील डिज़ाइन, रोमांचक ड्राइविंग अनुभव और ब्रांड की रैली मोंटे कार्लो विरासत का शानदार संयोजन प्रस्तुत करते हैं। यह नया विस्तार कार को और भी प्रभावशाली दृश्य पहचान प्रदान करता है तथा उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश किया गया है, जो अधिक विशिष्ट और प्रीमियम स्वामित्व अनुभव की तलाश में हैं।

अकासा के नेटवर्क में अक्टूबर में शामिल होगा जयपुर

नई दिल्ली। नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर अक्टूबर में राजस्थान की राजधानी और गुलाबी शहर जयपुर से उड़ानें शुरू करेगी। एयरलाइंस ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह 11 अक्टूबर से जयपुर से मुंबई और बेंगलुरु के लिए दैनिक सीधी उड़ानें शुरू करेगी। उसका कहना है कि यह कदम प्रमुख पर्यटन, सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्रों के बीच बेहतर हवाई संपर्क प्रदान करने की उसकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। यात्री अकासा एयर की वेबसाइट, एंड्रॉयड और आईओएस ऐप तथा कई प्रमुख ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों के माध्यम से टिकट की बुकिंग करा सकते हैं।

चौतरफा बिकवाली से शेयर बाजार में गिरावट

■ सेंसेक्स 0.92 प्रतिशत लुढ़ककर 76,755.05 अंक पर रहा

■ निफ्टी 0.79 प्रतिशत उतरकर 23,996.25 अंक पर बंद

■ पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल में तेजी

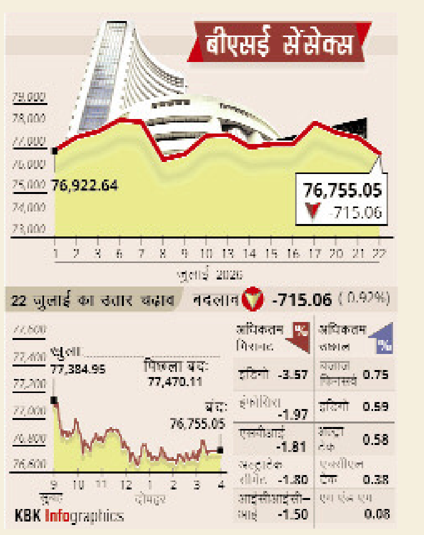

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में तेजी से घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को चौतरफा बिकवाली देखी गई और प्रमुख सूचकांक लगातार तीसरे दिन टूटते हुए करीब दो सप्ताह के निचले स्तर पर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 715.06 अंक (0.92 प्रतिशत) लुढ़ककर 76,755.05 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 191.45 अंक यानी 0.79 प्रतिशत उतरकर 23,996.25 अंक पर आ गया। दोनों सूचकांकों का यह 09 जुलाई के बाद का निचला स्तर है।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से कच्चे तेल में तेजी रही। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा 4.5 प्रतिशत चढ़कर 95 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। इसने निवेश धारणा को कमजोर किया जिससे बाजार में शुरू से ही बिकवाली देखी गई। वृहत बाजार में ज्यादा दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.14 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.54 प्रतिशत नीचे बंद हुआ।

ऑटो और एफएमसीजी को छोड़कर सभी सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में रहे। रियल्टी और मीडिया सेक्टरों में ढाई प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही। बैंकिंग, आईटी, वित्त, फार्मा और स्वास्थ्य समूहों के सूचकांक एक से दो प्रतिशत तक टूट गए। एनएसई में जिन 3,409 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,231 लाल निशान में और 1,068 हरे निशान में रहे। अन्य 110 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार- चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे।

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयर नुकसान में रहे। इंडिगो का शेयर 3.57 प्रतिशत टूट गया। इंफोसिस में 1.97 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक में 1.81, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.80, आईसीआईसीआई बैंक में 1.50, एक्सिस बैंक में 1.44, अडानी पोर्ट्स में 1.37, टेक महिंद्रा में 1.17, इटरनल में 1.15, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 1.14, एचडीएफसी बैंक में 1.09 और कोटक महिंद्रा बैंक में 1.08 प्रतिशत और सन फार्मा में 0.98 प्रतिशत की गिरावट रही। बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, बीईएल, एलएंडटी, टीसीएस, टाटा स्टील और मारुति सुजुकी के शेयर भी लाल निशान में रहे।

हिंदुस्तान यूनीलिवर, एनटीपीसी, पावरग्रिड और टाइटन के शेयर हरे निशान में बंद हुए। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 0.18 प्रतिशत और हांगकांग का हैंग सेंग 0.95 प्रतिशत टूट गया। वहीं, चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.07 प्रतिशत की तेजी रही।

बंधन बैंक के लिए उच्च परिचालन लागत बनी चुनौती

■ शेयर 17 प्रतिशत से अधिक लुढ़का

मुंबई, 22 जुलाई (एजेंसियां)। बंधन बैंक का शेयर बुधवार को 17 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया। इसकी वजह बैंक की ओर से उच्च परिचालन लागत और कम मार्जिन के चलते वित्त वर्ष 27 के लिए आरओए (रिटर्न-ऑन-एसेट) आउटलुक को कम करना है। नतीजों के बाद बैंक ने वित्त वर्ष 27 की चौथी तिमाही के लिए आरओए आउटलुक को 40 आधार अंक कम करके 1.2-1.4 प्रतिशत कर दिया, जो कि पहले 1.6-1.8 प्रतिशत था।

इसमें 30 आधार अंक का योगदान कम शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) और 10 आधार अंक का योगदान उच्च परिचालन लागत का है।

दोपहर 12 बजे, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर बंधन बैंक का शेयर 17.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 172.40 रुपए पर था। इनका इंट्राडे लो 171.56 रुपए रहा है। हालांकि, निजी बैंक के वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजे अच्छे रहे थे। बैंक का मुनाफा करीब 35 प्रतिशत बढ़कर 502 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 372 करोड़ रुपए था।

इस दौरान बैंक की शुद्ध ब्याज आय सालाना आधार पर 6 प्रतिशत बढ़कर 2,921 करोड़ रुपए हो गई है। वहीं, शुद्ध ब्याज मार्जिन 6.2 प्रतिशत रहा है।

एसेट क्वालिटी में भी सुधार देखने को मिला। बैंक का सकल ग्रॉस एनपीए अनुपात पिछली तिमाही के 3.27 प्रतिशत से घटकर 3.15 प्रतिशत हो गया, जबकि नेट एनपीए 0.97 प्रतिशत से घटकर 0.93 प्रतिशत पर आ गया। वहीं, प्रोविजन में तेज गिरावट आई और यह एक साल पहले के 1,147 करोड़ रुपए से घटकर 683 करोड़ रुपए रह गया।

ट्रंप के नए टैरिफ का भारतीय फार्मा कंपनियों पर बेहद सीमित रहेगा असर : विशेषज्ञ

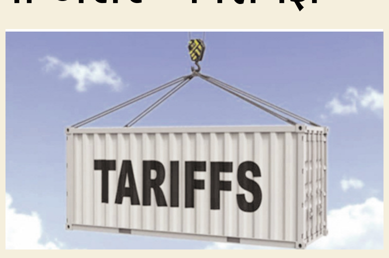

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से जेनेरिक दवाओं पर लगाए गए नए टैरिफ का अमेरिकी बाजार में दवाओं की आपूर्ति करने वाली भारतीय फार्मा कंपनियों पर बहुत कम असर पड़ेगा, क्योंकि ये 2028 से लागू होने वाले हैं। यह जानकारी एनालिस्ट की ओर से बुधवार को दी गई।

कई भारतीय फार्मा कंपनियों की अमेरिका में सहायक कंपनियां हैं। साथ ही, भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले उत्पादों के ट्रांसफर प्राइस और अमेरिकी बाजार में उनकी अंतिम बिक्री कीमत में काफी अंतर होता है। माना जा रहा है कि टैरिफ उस कीमत पर लगाया जाएगा, जिस पर उत्पाद अमेरिकी बाजार में प्रवेश करता है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के एसवीपी एवं इंस्टीट्यूशनल रिसर्च एनालिस्ट (हेल्थकेयर) तुषार मनुधाने ने कहा कि अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली करीब 90 प्रतिशत जेनेरिक प्रिस्क्रिप्शन दवाएं आयात की जाती हैं। ऐसे में जब भी यह टैरिफ लागू होगा, इसका असर अमेरिका को दवाएं निर्यात करने वाले सभी देशों पर होगा, यह केवल भारत तक सीमित नहीं है।

उन्होंने कहा कि भारत जैसे देशों को आउटसोर्सिंग का मुख्य कारण यह है कि यहां दवाओं के निर्माण की लागत अमेरिका की तुलना में 40 से 60 प्रतिशत कम है। टैरिफ लागू होने के बाद भी भारत की कम लागत पर उत्पादन करने की यह प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त पूरी तरह खत्म नहीं होगी।

भारत के नॉन-मेट्रो जॉब मार्केट में विशाखापत्तनम फिर बना नंबर-1 : रिपोर्ट

■ लुधियाना, सूरत, वडोदरा व प्रयागराज शीर्ष पांच स्थानों पर काबिज

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के नॉन-मेट्रो जॉब मार्केट में सबसे तेजी से उभरते भर्ती (हायरिंग) और प्रोफेशनल माइग्रेशन वाले शहरों में विशाखापत्तनम ने एक बार फिर पहला स्थान हासिल किया है। बुधवार को जारी लिंक्डइन की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, विशाखापत्तनम के बाद लुधियाना, सूरत, वडोदरा और प्रयागराज शीर्ष पांच स्थानों पर काबिज हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब नॉन-मेट्रो शहर पारंपरिक उद्योगों तक सीमित नहीं रहे हैं। इन शहरों में टेक्नोलॉजी, फाइनेंशियल सर्विसेज, मैन्युफैक्चरिंग, एजुकेशन और इन्फ्रास्ट्रक्चर निवेश तेजी से बढ़ रहा है, जिससे अलग-अलग क्षेत्रों में नए रोजगार के अवसर तैयार हो रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 72 प्रतिशत प्रोफेशनल्स इस साल नई नौकरी की तलाश में हैं, जबकि 76 प्रतिशत का मानना है कि एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जुड़े बढ़ते स्किल गैप और कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण नौकरी पाना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 2022 की शुरुआत के मुकाबले अब प्रत्येक नौकरी के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की संख्या दोगुने से अधिक हो चुकी है। ऐसे माहौल में उभरते हुए शहर प्रोफेशनल्स को अपने घर के करीब ही अलग-अलग उद्योगों, कंपनियों और बेहतर कैरियर अवसरों तक पहुंच प्रदान कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ये उभरते शहर अब मल्टी-सेक्टर जॉब मार्केट के रूप में विकसित हो रहे हैं। यहां पहले से मौजूद पोर्ट, टेक्सटाइल, फार्मा, केमिकल्स और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों के साथ-साथ एआई, डेटा सेंटर, आईटी और सर्विसेज में भी बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। लिंक्डइन की कैरियर एक्सपर्ट और इंडिया सीनियर मैनेजिंग एडिटर नीरजिता बनर्जी ने कहा कि इन शहरों में पारंपरिक उद्योगों के साथ अब टेक्नोलॉजी, फाइनेंशियल सर्विसेज, इन्फ्रास्ट्रक्चर और सर्विस सेक्टर भी तेजी से जुड़ रहे हैं। उन्होंने नौकरी तलाश रहे लोगों को सलाह दी कि वे ये समझें कि कंपनियां किन क्षेत्रों में निवेश कर रही हैं, कौन-से सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और उनकी मौजूदा स्किल्स किन अन्य उद्योगों में भी उपयोगी हो सकती हैं।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुट्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें ▪ मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर ▪ भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049

हिन्दी दैनिक

शब्दवाणी समाचार

Website : Shabdawanisamachar.page

(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

रात 10.30 बजे होगा उद्घाटन, 74 देशों के 3 हजार एथलीट्स 10 खेलों में दिखाएंगे दम

भारत लॉन बॉल से कॉमनवेल्थ गेम्स में करेगा अपने अभियान की शुरुआत

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

राष्ट्रमंडल खेल 2026 की शुरुआत 23 जुलाई से होने जा रही है, जिसमें 74 देशों के करीब तीन हजार एथलीट्स 10 खेलों में हिस्सा लेंगे। इनमें 215 गोल्ड मेडल दांव पर होंगे। भारत राष्ट्रमंडल खेल में 19वीं बार हिस्सा लेने जा रहा है, जिसमें उसके 124 एथलीट्स मेडल के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे। आठ एथलीट्स सामान्य खेलों और पांच पैरा-स्पोर्ट्स में मेडल के लिए मुकाबला करते नजर आएंगे।

भारत अपने अभियान की शुरुआत पुरुषों और महिलाओं के लॉन बॉल इवेंट्स से करेगा। राष्ट्रमंडल खेल 2022 में यादगार प्रदर्शन करते हुए पदक जीतने और इतिहास रचने के बाद भारतीय लॉन बॉल टीम ग्लासगो (स्कॉटलैंड) पहुंची है। टीम राष्ट्रमंडल खेल 2026 में एक बार फिर दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों को चुनौती देने के लिए तैयार है। भारतीय महिला लॉन बॉल टीम ने बर्मिंघम में खेले गए कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में इतिहास रचा था। लवली चौबे, पिंकी, नयनमोनी सैकिया और रूपा रानी टिर्की ने महिला फोर्स इवेंट के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता था, जो लॉन बॉल में भारत का पहला मेडल था। इसके अलावा, सुनील बहादुर, चंदन सिंह, नवनीत सिंह और दिनेश कुमार की पुरुष फोर्स टीम ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था।

पिछली बार भारत पुरुष पेयर्स इवेंट में भी पदक जीतने के करीब पहुंचा था। राष्ट्रमंडल खेलों का उद्घाटन समारोह भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे से ग्लासगो के ''द हाइड्रो'' में होगा, जो एक मशहूर वेन्यू है। इस बार एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, स्विमिंग और पैरा स्विमिंग, आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक, ट्रैक साइकिलिंग और पैरा ट्रैक साइकिलिंग, नेटबॉल, भारोत्तोलन और पैरा भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, जूडो, बॉल्स और पैरा बॉल्स, थ्री इंटू थ्री बास्केटबॉल और थ्री इंटू थ्री व्हीलचेयर बास्केटबॉल जैसे कुल 10 खेल राष्ट्रमंडल खेल में देखे जाएंगे।

लॉन बॉल...

- **दोपहर 2:00 बजे से:** पुरुषों का एकल ग्रुप स्टेज
- **दोपहर 2:00 बजे से:** महिलाओं का पेयर्स ग्रुप स्टेज

लॉन बॉल में खिलाड़ी

- पुतुल सोनोवाल (पुरुष एकल)
- नयनमोनी सैकिया (महिला एकल)
- नवनीत सिंह (पुरुष पेयर्स)
- दिनेश कुमार (पुरुष पेयर्स)
- रूपा रानी तिर्की (महिला पेयर्स)
- पिंकी सिंह (महिला पेयर्स)

यहां होगा प्रसारण

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और दूरदर्शन स्पोर्ट्स पर किया जाएगा। फैंस इस टूर्नामेंट को डीडी फ्री डिश पर भी फ्री में देख सकेंगे। वहीं, लाइव स्ट्रीमिंग सोनी लिव पर उपलब्ध होगी।

नीरज चोपड़ा की पाक के नदीम से होगी टक्कर

भारत की सबसे बड़ी उम्मीदें एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग और मुक्केबाजी से होंगी। एथलेटिक्स में सभी की नजरें स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पर रहेंगी। नीरज का लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना होगा, लेकिन उन्हें पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम से कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। चोपड़ा इंजरी के बाद वापसी कर रहे हैं। ऐसे में सबकी नजरें उनके ऊपर होंगी। इसके अलावा लॉग जंप के मुरली श्रीशंकर, ट्रिपल जंप के प्रवीण चित्रवेल और धावक गुलवीर सिंह से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

वेटलिफ्टिंग...

मीराबाई चानू से पदक की आस...

वेटलिफ्टिंग में ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू महिला 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक की सबसे मजबूत दावेदार मानी जा रही हैं। वहीं बिंद्यारानी देवी और ज्ञानेश्वरी यादव भी भारत के लिए पदक जीत सकती हैं। मुक्केबाजी में भारत की उम्मीदें ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन जैस्मीन लांबोरिया पर टिकी होंगी। इनके अलावा साक्षी चौधरी और प्रीति पवार भी स्वर्ण पदक मजबूत दावेदार हैं।

भारतीय बॉक्सिंग टीम का सामान आयरलैंड में छूटा

कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए मंगलवार को बेलफास्ट से ग्लासगो पहुंची टीम को परेशानी का सामना करना पड़ा। टीम का आधा सामान बेलफास्ट में ही छूट गया, जहां खिलाड़ी ट्रेनिंग कर रहे थे। इनमें बॉक्सिंग गियर, किट और ओपनिंग सेरेमनी की ड्रेस शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, टीम के सदस्यों ने बताया कि आयरलैंड की राजधानी बेलफास्ट से ग्लासगो जाने वाला विमान काफी छोटा था। इस वजह से काफी सामान वहीं छोड़ना पड़ा। कॉमनवेल्थ गेम्स 23 जुलाई से शुरू हो रहे हैं। पहले दिन ओपनिंग सेरेमनी होगी। बॉक्सिंग के मुकाबले 24 जुलाई से शुरू होने हैं। भारत ने गेम्स में 22 बॉक्स उतारे हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत के साथ सीरीज शुरू करना चाहेगा भारत

● हरारे/ (एजेंसी)

श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान पहली जीत दर्ज करने को बेताब होंगे जब उनकी युवा भारतीय टीम आत्मविश्वास से ओतप्रोत जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के पहले मैच में गुरुवार यानी 23 जुलाई को उतरेगी।

शाम 4.30 से बजे शुरू होगा मुकाबला

कप्तान के रूप में पहले सात टी20 मैचों में से आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ छह गंवा चुके अय्यर के पास टीम को जीत की राह पर लौटाने का यह सुनहरा मौका है। जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत अपेक्षित है लेकिन अगर हार गए तो उस ड्रेसिंग रूम की हालत का अनुमान ही लगाया जा सकता है जिसमें 15 वर्ष के वैभव सूर्यवंशी भी हैं । भारत ने इस दौरे के लिये वीवीएस लक्ष्मण को कोच के रूप में भेजा है।

वैभव पर होंगी नजरें

एक बार फिर नजरें वंडर ब्वॉय सूर्यवंशी पर होंगी जो अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करेंगे क्योंकि संजू सैमसन को टीम में जगह नहीं मिली है । हरारे स्पोर्टस क्लब से अभिषेक और सूर्यवंशी की पुरानी यादें जुड़ी है । अभिषेक ने इसी मैदान पर पदार्पण किया था और दूसरे मैच में पहला टी20 शतक भी यहीं लगाया था । सूर्यवंशी ने छह फरवरी को इस मैदान पर इंग्लैंड की अंडर 19 टीम के खिलाफ जूनियर विश्व कप फाइनल में शतक लगाया था । हरारे स्पोर्टस क्लब की पिच में नमी और उछाल रहता है जिससे भारतीय बल्लेबाजों को दिक्कतें आ सकती है।

टी20 सीरीज के लिए दोनों टीमें

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, यश ठाकुर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अशोक शर्मा, रवि बिश्नोई, प्रभसिमरन सिंह, रिंकू सिंह

जिम्बाब्वे : सिकंदर यादव (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रियान बर्ल, तनाका शिवांगा, बेन कुरेन, ब्राड इवांस, वेसले माधेवेरे, टी मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाजा, ब्लेसिंग मुजरबानी, डियोन मायर्स , रिचर्ड एनगारवा, न्यूमैन एन, मिल्टन शुम्बा, टी सिगा ।

गिल नंबर वन बल्लेबाज बनने से एक अंक पीछे

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

आईसीसी की ओर से जारी की गई वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल नंबर-1 बनने से चूक गए। इंग्लैंड के खिलाफ 2 अर्धशतकीय पारियां खेलने के बाद भी भारतीय कप्तान पहले स्थान पर नहीं पहुंच पाए हैं।

दूसरी ओर लॉर्ड्स में 138 रन की आइकॉनिक पारी खेलकर रोहित शर्मा चौथे स्थान पर हैं। उनकी रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं आया है। क्योंकि विराट कोहली लगातार रन बनाकर तीसरे नंबर पर काबिज हैं। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज की 3 पारियों में शुभमन गिल ने 2 फिफ्टी बनाई। पहले मुकाबले में 75 गेंदों में 80 रन बनाकर वह रिटायर हर्ट हो गए। दूसरी पारी में 30 रन बना सके, आखिरी मैच में 77 रन जड़े। इसके बावजूद उनके और वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बैठे डेरेल मिचेल के बीच सिर्फ 1 अंका का फासला है।

रहमत शाह बने अफगानिस्तान के नए कप्तान

नई दिल्ली, आरएनएन। अफगानिस्तान के सबसे सफल कप्तानों में से एक हशमतुल्लाह शाहिदी ने टीम की कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद अब अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपने नए कप्तान का एलान कर दिया है। शाहिदी की जगह अब अनुभवी बल्लेबाज रहमत शाह को टीम का कप्तान बनाया गया है। वे वनडे और टेस्ट की कप्तानी करते हुए दिखाई देंगे। शाहिदी ने अफगानिस्तान को अपनी कप्तानी में कई यादगार जीत दिलाई। वे 31 मई 2021 के राष्ट्रीय टीम के कप्तान बने थे ।

अलीरेजा फिरोजा ने जीता चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स खिताब

● चेन्नई / (एजेंसी)

फ्रांस के ग्रैंडमास्टर अलीरेजा फिरोजा ने बुधवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ सातवें और अंतिम दौर का मुकाबला ड्रॉ खेलकर चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। टूर्नामेंट के आखिरी राउंड से पहले फिरोजा 4 अंक के साथ शीर्ष पर थे और उनके पास अर्जुन एरिगैसी तथा उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव पर आधे अंक की बढ़त थी। उन्होंने अर्जुन के खिलाफ 41 चालों में मुकाबला बराबरी पर समाप्त कर 4.5 अंकों के साथ चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

25 लाख रुपये का पुरस्कार मिला

फिरोजा ने पूरे टूर्नामेंट में दो मुकाबले जीते और बाकी पांच ड्रॉ खेले। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 4.5 अंक जुटाए और चैंपियन बनने के साथ 25 लाख रुपये की पुरस्कार राशि भी अपने नाम की। दिमित्री आंद्रेइकिन ने अंतिम दौर में जीत के साथ 4 अंक हासिल किए और भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। वहीं नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव, निहाल सरीन और एम. प्रणेश 3.5-3.5 अंकों के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर रहे।

डेविड वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने के केस में हो सकती है जेल

दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने स्वीकार की अपनी गलती

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। दरअसल, वॉर्नर ने शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में अपना गुनाह कबूल कर लिया है। बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के वेवरली लोकल कोर्ट में वॉर्नर के वकील बॉबी हिल ने बताया कि 39 वर्षीय क्रिकेटर ने इस मामले में अपनी गलती स्वीकार कर ली है। यह मामला इस साल ईस्टर रविवार यानी 5 अप्रैल का है। पुलिस स्टेशन में हुए दूसरे ब्रेथ टेस्ट में वॉर्नर के ब्लड अल्कोहल लेवल की रीडिंग 0.104 आई, जो कानूनी सीमा से दोगुनी से भी ज्यादा थी। वार्नर ने दोस्त के घर पर तीन गिलास वाइन पी थी। इस मामले में वॉर्नर को 18 अगस्त को सजा सुनाई जाएगी। उन्हें कम से कम छह महीने के लिए ड्राइविंग बैन। करीब 2200 ऑस्ट्रेलियन डॉलर तक का जुर्माना और नौ महीने तक की जेल की सजा हो सकती है।

यॉर्कशायर काउंटी टीम के लिए खेलेंगे कुलदीप यादव

नई दिल्ली, आरएनएन। कुलदीप यादव को भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिल रहा है। इंग्लैंड के खिलाफ तीनों ही मैचों में बेंच पर रहे। अभी भारतीय टीम टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे गई है।

उस टीम में कुलदीप को शामिल नहीं किया गया है। इस बीच कुलदीप यादव इंग्लैंड में खेलते नजर आएंगे। वह यॉर्कशायर काउंटी टीम का हिस्सा बन गए हैं। 31 साल के बाएं हाथ के स्पिनर वन डे कप के पांच मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे। ग्लैमॉर्गन के खिलाफ टीम को अगला मुकाबला खेलना है। उस मुकाबले के लिए कुलदीप यादव उपलब्ध रहेंगे।

क्रांति ने दुनिया में बढ़ाया भारत का मान: डॉ. यादव

● भोपाल / (एजेंसी)

भारतीय महिला टीम की स्टार क्रिकेटर क्रांति गौड़ को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बेटों के साथ-साथ हमारी बेटियां भी किसी से कम नहीं है।

मध्यप्रदेश की बेटी क्रांति गौड़ ने अपनी प्रतिभा और कौशल के दम पर पूरे देश और प्रदेश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित संवाद भवन में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की सुप्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर क्रांति गौड़ और उनके पिता नरसिंह एवं भाई महेन्द्र सिंह को भी सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड्र्स के टेस्ट ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराने वाली देश की पहली महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ को तीन लाख रुपए का चेक और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड्र्स के ऐतिहासिक क्रिकेट ग्राउंड पर बुंदेलखण्ड की गौरव क्रांति गौड़ के सात विकेट लेकर बेहतरीन प्रदर्शन की मुक्तकंठ से सराहना की तथा क्रांति को इस बड़ी उपलब्धि के लिए अपनी ओर से दो लाख रूपये की सम्मान राशि का चेक भी सौंपा।

परिवार के सपोर्ट से पहनी ब्लू जर्सी : गौड़

क्रिकेटर क्रांति गौड़ ने कहा कि उन्होंने बचपन में अनेक संघर्षो के बीच यह तय कर लिया था कि उन्हें टीम इंडिया की ब्लू जर्सी पहनी है। एक छोटे से गांव से क्रिकेट के अंतर्राष्ट्रीय मंच तक की यात्रा माता-पिता और परिवार के सहयोग के बिना पूरी नहीं हो सकती थी।

उन्नति को हराकर पीवी सिंधू दूसरे दौर में पहुंचीं

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने जापान ओपन में खिताब जीतने के बाद अपने शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए चीन ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

वहीं युवा भारतीय शटलर आयुष शेट्टी ने इंडोनेशिया के विश्व नंबर-11 अल्वी फरहान को हराकर बड़ा उलटफेर किया और प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। सिंधू ने पहले दौर में भारत की ही 18 वर्षीय उन्नति हुड्डा को तीन गेम तक चले मुकाबले में 21-14, 9-21, 21-10 से हराया। 56 मिनट तक चले इस मुकाबले में सिंधू ने पहला गेम आसानी से जीता, लेकिन दूसरे गेम में उन्नति ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में सिंधू ने अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ सिंधू ने पिछले साल उन्नति के हाथों मिली हार का हिसाब भी बराबर कर लिया।

अब होगी चेन यूफेई से टक्कर

दूसरे दौर में सिंधू का सामना चीन की चौथी वरीयता प्राप्त और पूर्व ओलंपिक चैंपियन चेन यूफेई से होगा। दिलचस्प बात यह है कि सिंधू ने पिछले सप्ताह जापान ओपन के दौरान चेन यूफेई को हराया था, जिससे उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है।पुरुष एकल में भारत के युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने इंडोनेशिया के विश्व नंबर-11 और पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन अल्वी फरहान को 21-17, 5-21, 21-17 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई।

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स को मिलेगा विश्वस्तरीय स्वरूप

● भोपाल / (एजेंसी)

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में बरखेड़ा नाथू स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स के निर्माण एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सभी कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में कॉम्पलेक्स में विकसित की जा रही खेल अधोसंरचना, सुरक्षा व्यवस्था, जनसुविधाओं, ऊर्जा प्रबंधन तथा निर्माण कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री सारंग ने कहा कि यह खेल परिसर मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभाओं के लिए विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है। इसलिए निर्माण के प्रत्येक कार्य में गुणवत्ता, पारदर्शिता और तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए।

आस्था — गुरू पूर्णिमा से पहले विराट कोहली ने पत्नी अनुष्का के साथ प्रेमानंद महाराज का लिया आशीर्वाद

कीचड़ में नंगे पैर चलकर वृंदावन पहुंचे विराट कोहली

● वृंदावन / (एजेंसी)

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। कोहली बुधवार को पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन पहुंचे और आशीर्वाद लिया। कोहली इससे पहले आईपीएल 2026 खत्म होने के बाद भी प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे थे।

मालूम हो कि आरसीबी ने इस सीजन खिताब अपने नाम किया था। 29 जुलाई को गुरू पूर्णिमा है और इससे पहले ही कोहली ने अनुष्का संग प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए हैं। कोहली और अनुष्का को श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में नंगे पैर घूमते हुए देखा गया और उनके इस दौरे के वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। ऑनलाइन वायरल हो रहे कई वीडियो में इन दोनों को कड़ी सुरक्षा के बीच आश्रम पहुंचते हुए देखा जा सकता है। अनुष्का और विराट दोनों ने ही फेस मास्क पहनकर अपनी पहचान छिपाने की कोशिश की। आश्रम से बाहर निकलते समय विराट और अनुष्का ने हाथ में प्रसाद लिया हुआ था और वे कीचड़ भरे रास्तों पर नंगे पैर चल रहे थे।

प्रेमानंद महाराज के दर्शन लिए अनुष्का ने सिंपल सफेद सलवार-सूट पहना, जबकि विराट टी-शर्ट और पैंट में कैजुअल लुक में नजर आए। प्रेमानंद महाराज का आशीर्वाद लेने से पहले, यह दोनों आश्रम परिसर में घूमते हुए दिखे। कोहली और अनुष्का की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

वहीं, वृंदावन में जैसे ही लोगों ने इन दोनों को देखा तो वे कोहली-अनुष्का की तस्वीरें लेने लगे।

भक्ति में लीन दिखे विराट और अनुष्का शर्मा

वायरल वीडियो में कोहली और अनुष्का आश्रम परिसर से बाहर निकलते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान वहां मौजूद लोगों का उन्होंने राधे-राधे कहकर अभिवादन किया। उनके इस व्यवहार ने वृंदावनवासियों का दिल जीत लिया। विराट और अनुष्का इस दौरान भक्ति में लीन नजर आए। मालूम हो कि पिछले कुछ वर्षों से यह दोनों लगातार वृंदावन आकर प्रेमानंद महाराज के दर्शन कर रहे हैं। विराट और अनुष्का की आस्था किसी से छिपी हुई नहीं है। दोनों कई बार इस बारे में बात कर चुके हैं कि व्यस्त जीवन के बीच आध्यात्म, ध्यान और शांत वातावरण उन्हें मानसिक संतुलन बनए रखने में मदद करता है।

डूरंड कप की ट्रॉफियां कोलकाता पहुंचीं

नई दिल्ली, आरएनएन। एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप के 135वें संस्करण का काउंटडाउन शुरू हो गया है। टूर्नामेंट की तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियां बुधवार को ट्रॉफी टूर के तहत कोलकाता पहुंचीं। इसके साथ ही पांचों मेजबान राज्यों की यात्रा पूरी हो गई।। मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल एफसी आमने-सामने होंगे।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
390 = 2	259 = 6
170 = 8	145 = 6
शुभांक	
दिन	रात
700 = 7	368 = 7
260 = 8	100 = 1
भाग्यांक	
2 5 7 0	
www.kalyangame.com	

अर्थव्यवस्था की चमक से सांख्यिकी यानी स्टेटिस्टिक्स पढ़ने वालों की किस्मत का पिटारा खुल गया है। अर्थव्यवस्था की मजबूती से सांख्यिकी की मांग बढ़ गई है। चाहे मार्केटिंग रिसर्च हो या सोशल रिसर्च या हो ओपिनियन रिसर्च, हर जगह सांख्यिकी की जरूरत बढ़ गई है। मार्केटिंग का मूड जानने या लोगों की नब्ज पकड़ने में सांख्यिकी का जबरदस्त इस्तेमाल होता है।

स्टेटिस्टिक्स में बाजीगरी मिलेगी अच्छी नौकरी

सांख्यिकी पर अच्छी पकड़ हो तो अनुमान लगाना आसान हो जाता है। ओपीनियन पोल और एक्जिट पोल में ही नहीं, बल्कि मार्केट बिहेवियर, बिजनेस ट्रेंड और डेमोग्राफिक पैटर्न को जानने-परखने में सांख्यिकी का इस्तेमाल होता है। बीस साल बाद एलपीजी की मांग देश में कितनी होगी, गाड़ियों की मांग कितनी होगी, यही नहीं टूथ पेस्ट से लेकर टीवी और मोबाइलों की मांग कितनी होगी, ये बीस साल पहले जाना जा सकता है। सरकार भी बड़े-बड़े प्लान सांख्यिकी के आधार पर बनाती है। आगे किस चीज की मांग बढ़ने वाली है, उसी आधार पर प्लानिंग भी की जाती है। किस क्षेत्र में बेरोजगारी बढ़ रही है या घट रही है, शराबबंदी से अपराधों में कमी हुई या नहीं, इन सारे सवालों का जवाब सांख्यिकी से मिलता है। अमेरिका जैसे देशों में रिसर्च पर काफी पैसा खर्च किया जाता है। धीरे-धीरे भारत में भी रिसर्च का स्कोप बढ़ता जा रहा है। स्कोप बढ़ने से नौकरियां भी बढ़ती जा रही हैं। यही वजह है कि सांख्यिकी की पढ़ाई छात्रों को काफी लुभा रही है। जिसकी जितनी पकड़ है, वह उतनी कमाई कर रहा है।

काम के अवसर

सांख्यिकी की पढ़ाई स्कूल से शुरू हो जाती है। मैनेजमेंट की पढ़ाई करने वालों को सांख्यिकी संजीवनी की तरह है तो ज्योग्राफी से लेकर इकोनॉमिक्स में भी इसकी पढ़ाई होती है। सिर्फ सांख्यिकी में भी करियर बनाया जा सकता है। कई क्षेत्र हैं, जहां स्टेटिस्टियन की नियुक्ति होती है। सेंसस यानी जनगणना के कार्य में स्टेटिस्टियन की काफी जरूरत होती है। चुनाव आयोग में इसकी नियुक्ति होती है। मैनेजमेंट से लेकर सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट में सांख्यिकी का इस्तेमाल किया जाता है। सोशल रिसर्च, ओपीनियन रिसर्च, मार्केटिंग रिसर्च, टीवी रेटिंग, अर्थशास्त्र, समाज विज्ञान और वाणिज्य के क्षेत्रों में भी इस्तेमाल किया जाता है। सांख्यिकी का कोर्स करने के बाद डाटा एंटरप्रेटर, स्टेटिस्टियन, डाटा एनालिस्ट आदि के रूप में काम करने के मौके मिलते हैं। यही नहीं, सांख्यिकी में उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद विभिन्न इंस्टीटयूट में टीचिंग करने के मौके भी मिलते हैं। सांख्यिकी में पकड़ हो और रिसर्च फील्ड और मार्केटिंग फील्ड में काम करने का मौका मिले तो सोने में सुहागा हो जाता है। देश से विदेश तक काम करने का मौका मिलता है। सरकारी नौकरी के लिए संघ लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन आयोग में भी विकल्प खुले हुए हैं। इंडियन स्टेटिस्टिकल सर्विस के माध्यम से करियर को और बेहतर दिशा दी जा सकती है। इसके अलावा योजना आयोग, दि नेशनल काउंसिल ऑफ अप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च आदि के अतिरिक्त बैंकों में भी जॉब के अवसर मिलते हैं। किसी भी क्षेत्र में नीति निर्माण अथवा निर्णय लेने में इनकी मुख्य भूमिका होती है। कंप्यूटर आ जाने से सांख्यिकी के समझने और बूझने में आसानी हो गयी है। सॉफ्टवेयर की वजह से चंद मिनटों में जटिल से जटिल डाटा का विश्लेषण किया जाता है। शिक्षा, कृषि, बिजनेस के क्षेत्रों में भी सांख्यिकी जानकारों की काफी मांग है। इसके अलावा सैंपल और डाटा कलेक्शन, सर्वे कार्य, बाजार के नए ट्रेंड और बिजनेस मॉडल को बनाने में भी इनकी जरूरत होती है।

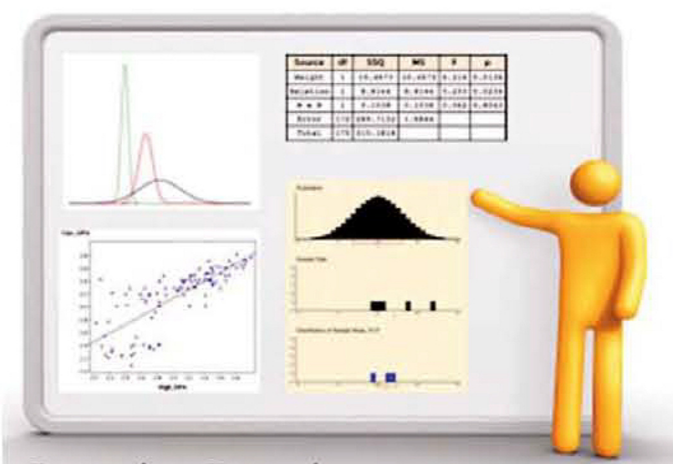

कितना पैसा मिलता है

जितनी पकड़ होती है, उतना पैसा मिलता है। स्नातक स्तर पर पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए निजी कंपनियों में ढाई से पांच लाख रुपये तक सालाना का ऑफर मिलता है। एमएससी की पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों के लिए ज्यादा पैसा मिलता है। मार्केटिंग में जाने पर 10 लाख तक सालाना पैकेज मिलता है। चुनाव विश्लेषक बन गये तो पैसे के साथ शोहरत भी मिलती है। सरकारी नौकरी में भी अब अच्छा-खासा पैसा मिलता है।

कोर्स और संस्थान

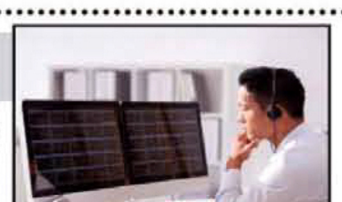

सांख्यिकी में ग्रेजुएशन से लेकर रिसर्च तक कई तरह के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जैसे बीएससी ऑनर्स, बीएससी अप्लाइड स्टेटिस्टिक्स, एमएससी इन स्टेटिस्टिक्स, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन अप्लाइड स्टेटिस्टिक्स, पीजी डिप्लोमा इन स्टेटिस्टिक्स, सर्टिफिकेट कोर्स इन फाइनेंशियल स्टेटिस्टिक्स, बैचलर ऑफ स्टेटिस्टिक्स, मास्टर ऑफ स्टेटिस्टिक्स आदि। देश में 60 से ज्यादा विश्वविद्यालयों में सांख्यिकी के कोर्स हैं। इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीटयूट सबसे बेहतर संस्थान है। हेडक्वार्टर कोलकाता है, लेकिन इसका कैम्पस दिल्ली, बैंगलोर और चेन्नई में है। इसके अलावा 7 जगहों पर इसके ऑफिस हैं। इसके अलावा कई यूनिवर्सिटीज में इसकी पढ़ाई होती है।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग

कृषि में बनाएं कमाई के रास्ते

खेत-खलिहान से जुड़े युवा अगर अपनी दुनिया में कमाई के रास्ते ढूंढ़ना चाहते हैं तो इसके लिए प्रशिक्षण जरूरी है। ऐसे युवाओं के लिए नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ ओपन स्कूलिंग ने अपने यहां अलग तरह के कोर्स शुरू किए हैं। इनमें कुछ कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए हैं तो कुछ मैट्रिक पास युवाओं के लिए। ये कोर्स रोजगार के बाजार में अच्छी-खासी कमाई का साधन मुहैया करा सकते हैं। इनमें थ्योरी और व्यावहारिक ज्ञान से परिचय कराकर संस्थान रोजगार की नई राह दिखाता है।

मुर्गी पालन

कृषि या खेतीबाड़ी की दुनिया से जुड़े इन कोर्सेज में पहला मुर्गी पालन उद्योग है। आज देश-दुनिया में अंडे की खपत और उसके लिए मुर्गी का पालन किस तरीके से कैसे करना है, इसका ज्ञान कराया जाता है। दसवीं पास छात्रों के लिए चलाए गये इस कोर्स में छात्रों को भारत में मुर्गी पालन उद्योग की रूपरेखा के बारे में बताया जाता है। इसकी सच्चाइयों से रूबरू कराया जाता है और इस उद्योग में कमाई की संभावनाएं कितनी है, यह बताया जाता है। मुर्गी पालन के लिए आवश्यक स्किल भी प्रदान की जाती है। कोर्स में 60 फीसदी थ्योरी और 40 प्रतिशत प्रैक्टिकल कराया जाता है।

मृदा और खाद्य प्रबंधन

मृदा और खाद्य प्रबंधन का भी कोर्स एक महत्त्वपूर्ण उद्योग में काम की राह दिखाता है। कृषि के लिए मिट्टी का रोल अहम होता है। किस तरह की मिट्टी में कौन सी फसल उगाई जाती है, ऐसी मिट्टी बनाने की प्रक्रिया क्या है, इसमें पौधे का संरक्षण और विकास किस रूप में होता है, इसकी जानकारी बखूबी दी जाती है। उसमें इस्तेमाल में लाई जाने वाली खाद के बारे में भी बताया जाता है। यहां भी दसवीं पास छात्रों को एक साल के अंदर इस कला में दक्ष बनाया जाता है। मिट्टी के अलग-अलग रूपों और समस्याओं के बारे में बताया जाता है।

वर्मीकम्पोस्टिंग

वर्मीकम्पोस्टिंग का कोर्स छात्रों को जैविक खाद बनाने की कला सिखाता है। आज इस तरह की खाद शहरों में पौधों और साग-सब्जी उगाने के लिए इस्तेमाल में लाई जाती है। आठवीं पास छात्रों के लिए शुरू किया गया यह कोर्स छात्रों को वर्मीकम्पोस्टिंग के तौर-तरीके से अवगत कराता है, इसे तैयार करने का प्रशिक्षण देता है।

मधुमक्खी पालन

उपरोक्त के अलावा मधुमक्खी पालन का कोर्स है। शहद उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए मधुमक्खी पालन उद्योग को कैसे बढ़ावा देना है, यह हुनर छात्रों को क्लास रूम और उससे बाहर भी सिखाया जाता है।

कोर्स की फीस

मृदा और खाद प्रबंधन तथा मुर्गी पालन से जुड़े कोर्स की फीस 700 रुपये है। इसके अलावा अन्य दो कोर्स वर्मीकम्पोस्टिंग और मधुमक्खी पालन की 800 और क्रमशः 400 रुपये है।

कक्षाएं कहां

इन कोर्सेज की कक्षाएं एनआईओएस से संबद्ध संस्थानों में कराई जाएगी। संस्थान की लिस्ट एनआईओएस की वेबसाइट पर दे दी गई है। ये सेंटर देश के अलग-अलग शहरों में है। छात्र को अपनी सुविधा और दूरी के हिसाब से इसे चुनना होगा।

'वेब' की दुनिया में स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज का खास महत्त्व है। दिन-प्रतिदिन विकसित होती इंटरनेट टेक्नोलॉजी ने स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज के जानकारों के लिए भी सुनहरे अवसर पैदा किए हैं। आइए, आज बात करते हैं इन्हीं स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज से संबंधित कुछ तकनीकी बारीकियों की।

स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज वेब दुनिया की भाषा

स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज या स्क्रिप्ट लैंग्वेज लैंग्वेजों की एक प्रमुख कैटगरी है, जो एक या अधिक सॉफ्टवेयर एप्लीकेशंस को कंट्रोल करने की सुविधा देती है। स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज को यदि हम आम भाषा में बोलें तो यह उसी प्रकार से काम करती है, जैसे कोई एक्टर पहले से लिखी गई स्क्रिप्ट के अनुसार अपना डायलॉग बोलता है। स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज की सहायता से हम स्क्रिप्ट लिखते हैं और यह स्क्रिप्ट दूसरे डाटा और सिस्टम से इंटरेक्ट करने के बाद एग्जिक्यूट होकर अपना काम पूरा करती है। आमतौर पर स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज को एचटीएमएल के अंदर इम्बेड किया जा सकता है। ऐसा करने से वेब पेज की फंक्शनेलिटी को काफी बढ़ाया जा सकता है, जैसे विभिन्न प्रकार के मेन्यू स्टाइल, ग्राफिक्स डिस्प्ले, डायनामिक एडवरटाइजिंग आदि को हैंडल किया जा सकता है और इसे आकर्षक बना सकते हैं। स्पेशलाइज्ड ग्राफिक्स यूजर इंटरफेस (जीयूआई) के लिए भी इसका उपयोग करते हैं। स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज को हम सर्वर और क्लाइंट से भी जोड़ कर देख सकते हैं। सर्वर-साइड स्क्रिप्टिंग एक तरह की वेब टेक्नोलॉजी है, जहां किसी यूजर की रिक्वेस्ट को प्रोसेस करने के लिए संबंधित स्क्रिप्ट को सीधे वेब सर्वर पर रन कर डायनामिक वेब पेज जनरेट किया जाता है। वहीं, क्लाइंट-साइट स्क्रिप्टिंग में स्क्रिप्ट को आमतौर पर वेब ब्राउजर में ही रन किया जाता है। कंप्यूटर एजुकेशन से संबंध रखने वाले छात्रों के मन में आमतौर पर स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज और प्रोग्रामिंग लैंग्वेज को लेकर काफी भ्रम बना रहता है। इंटरव्यू में भी इन दोनों लैंग्वेज के बीच के अंतर से संबंधित प्रश्न प्रमुखता से पूछे जाते हैं।

प्रोग्रामिंग लैंग्वेज (सी, सी++, विजुअल बेसिक) आदि में लिखे कोड्स को पहले कंपाइल करना जरूरी होता है। इसके बाद इसे रन किया जा सकता है। एक बार कंपाइल होने के बाद आप इसे कई बार रन कर सकते हैं। इन प्रोग्राम्स को रन करने से पहले एग्जिक्यूटेबल फाइल्स में परिवर्तित किया जाता है। इसके विपरीत स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज को कंपाइल करने की बजाए इंटरप्रेट किया जाता है। यहां एक कमांड को एक बार में इंटरप्रेट किया जाता है। इन्हें रन टाइम में इंटरप्रेट किया जाता है। कहने का मतलब है कि प्रत्येक बार जब आप प्रोग्राम को रन करना चाहते हैं तो हर बार एक अलग प्रोग्राम कोड्स को पढ़ेगा, फिर इसे इंटरप्रेट करने के बाद इन इंस्ट्रुक्शंस को एग्जिक्यूट किया जाता है। स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज को विभिन्न कैटगरी में रखा जा सकता है। कुछ प्रमुख कैटगरीज हैं-

जीयूआई स्क्रिप्टिंग - ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (जीयूआई) के डेवलपमेंट के साथ ही कंप्यूटर को कंट्रोल करने के लिए विशेष प्रकार की स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज सामने आयी। ये स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज ग्राफिक्स विंडोज, मेन्यू, बटन आदि से इंटरेक्ट कर काम करती है।

एप्लीकेशन-स्पेसिफिक लैंग्वेज - ये स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज एप्लीकेशंस पर आधारित होती हैं, जो एप्लीकेशन यूजर की जरूरत को ध्यान में रखकर बनायी गई हैं। कंप्यूटर गेमिंग सिस्टम इसका उदाहरण हो सकता है।

वेब ब्राउजर - वेब ब्राउजर ऐसी एप्लीकेशन है, जो वेब पेज को डिस्प्ले करती है। इसकी कार्यप्रणाली को कंट्रोल करने के लिए भी कई स्पेशल-परपज लैंग्वेज बनाई गई हैं।

प्रमुख स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज - आजकल कई स्क्रिप्टिंग लैंग्वेजों का उपयोग किया जा रहा है। इन लैंग्वेजों के जानकारों के लिए जॉब मार्केट में भी काफी डिमांड है। जावा स्क्रिप्ट, जेएसपी, पीएचपी, पर्ल, वीबी स्क्रिप्ट आदि प्रमुख स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज हैं।

जावा स्क्रिप्ट सभी महत्त्वपूर्ण ब्राउजर को भी सपोर्ट करती है। यह इंटरप्रेटेड लैंग्वेज है, जिसका उपयोग वेब पेज में डायनामिक कंटेंट्स जैसे मेन्यू, पॉप-अप विंडोज, एनिमेशन आदि के लिए किया जाता है।

vb script विजुएल बेसिक पर आधारित लैंग्वेज है। पीएचपी भी एक प्रमुख स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज मानी जाती है। पीएचपी यानी हाइपर टेक्स्ट प्री-प्रोसेसर सर्वर-साइड स्क्रिप्ट लैंग्वेज है, जो कई डाटा बेस जैसे My SQL, Oracle, Sybase आदि को सपोर्ट करती है। यह एक ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर है, जिसे आप फ्री डाउनलोड कर सकते हैं। इसकी विशेषता है कि यह विभिन्न प्लेटफॉर्म (विंडोज, यूनिक्स, लाइनक्स आदि) पर हो सकती है। अमूमन सभी सर्वर के साथ कंपेटिबल है।

तकनीकी कोना

स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज या स्क्रिप्ट लैंग्वेज, लैंग्वेजों की एक प्रमुख कैटगरी है, जो एक या अधिक सॉफ्टवेयर एप्लीकेशंस को कंट्रोल करने की सुविधा देती है।

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
Assured Gifts upto ₹12448/-
Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630